CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 10 अंक : 102 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 05 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

हमला करने वालों को जवाब देना मेरी जिम्मेदारी : राजनाथ

जयपुर टाइम्स

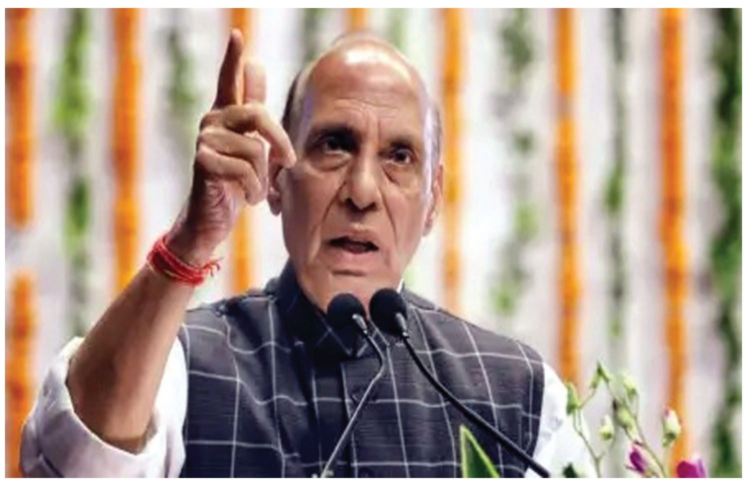

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजनाथ सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हमारे वीर सैनिकों ने हमेशा भारत के भौतिक स्वरूप की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भारत के आध्यात्मिक स्वरूप की रक्षा की है। एक ओर जहां हमारे सैनिक रणभूमि पर लड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे संत जीवनभूमि पर लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर काम करूं और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं और यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दूं जो हमारे देश पर बुरी नजर रखते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अच्छी तरह से जानते हैं और उनकी कार्यशैली, उनके दृढ़ संकल्प को भी। जिस तरह से उन्होंने अपने जीवन में "जोखिम उठाना" सीखा है, उससे भली-भांति परिचित हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आप जो चाहते हैं, वह निश्चित रूप से होगा। उन्होंने कहा कि आप सब तो जानते ही हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे देश को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हम समस्त देशवासियों के समक्ष रखा है। स्वाभाविक है यह लक्ष्य कोई छोटा लक्ष्य नहीं है, लेकिन आप स्वस्थ रहिये। ये लक्ष्य पूरा होकर रहेगा क्योंकि इस सच्चाई को आप सभी स्वीकार करेंगे कि दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस दौरान दोनों पक्ष वर्तमान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के अलावा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर भी विमर्श करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार ये बैठक ऐसे समय हो रही है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। भारत और जापान के बीच दीर्घकालिक मित्रता है। रक्षा और सुरक्षा दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। हाल के वर्षों में भारत और जापान के बीच रक्षा आदान-प्रदान को बल मिला है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण से इसका महत्व बढ़ रहा है।

छह महीने में दूसरी मुलाकात होगी

राजनाथ सिंह और जनरल नाकातानी के बीच छह महीने में यह दूसरी मुलाकात होगी। पिछले साल नवंबर 2024 में लाओ पीडीआर में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस के मौके पर राजनाथ सिंह और नाकातानी की पहली बातचीत हुई थी। पिछले साल हुई बातचीत में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रक्षा उद्योग और प्रौद्योगिकी सहयोग के महत्व को दोहराया था। उस बैठक में सिंह और जनरल नकातानी ने अपनी सेनाओं के बीच बेहतर अंतर-संचालन के लिए आपूर्ति और सेवा समझौते के पारस्परिक प्रावधान पर विचार-विमर्श किया था।

कांग्रेस कार्यसमिति में पारित किया प्रस्तावः बिना किसी देरी जातिगत जनगणना शुरू कराने की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक जातिगत जनगणना का मुद्दा उठा। इसे लेकर कार्यसमिति ने प्रस्ताव पास किया। इसमें बिना किसी देरी, बहाने और टालमटोल के जातिगत जनगणना शुरू कराने की मांग की गई। इसके अलावा आरक्षण से जुड़े एक अन्य प्रस्ताव को पारित किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में जाति जनगणना के मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पारित प्रस्ताव में दो मांग की गई। इसमें पहली थी कि निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के आरक्षण के लिए संविधान के अनुच्छेद 15(5) को तत्काल लागू किया जाए। साथ ही जाति जनगणना बिना किसी देरी के कराई जाए। कार्यसमिति में पारित प्रस्तावों को जिला और विधानसभा स्तर पर होने वाली संविधान बचाओ रैलियों में उठाया जाएगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी पत्र में सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को इसके निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा है कि कांग्रेस के दबाव के बाद मोदी सरकार जाति-वार जनगणना कराने मजबूर हो गई है।

मीट इन इंडिया कॉन्क्लेव में गूंजा भारत का MICE विज़न, राजस्थान बना आकर्षण का केंद्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जयपुर में आयोजित 'मीट इन इंडिया कॉन्क्लेव 2025' में भारत की MICE (मीटिंग्स, इन्सेन्टिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशन) इंडस्ट्री को आर्थिक विकास और रोजगार का प्रमुख स्रोत मानते हुए इसे वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में मंथन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन मंत्रालय, राजस्थान सरकार और फिक्की के संयुक्त प्रयास से 14वें ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के अवसर पर किया गया। पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत का MICE क्षेत्र उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियों के साथ एक मजबूत आर्थिक इंजन बनेगा। उन्होंने बताया कि देश में कम से कम 10 शहरों को वैश्विक MICE डेस्टिनेशन में शामिल करने का लक्ष्य है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने पर्यटन को सिर्फ प्रचार नहीं, बल्कि विकास की अनिवार्यता बताया और राज्यों के बीच समन्वय पर जोर दिया। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान अब सिर्फ हेरिटेज डेस्टिनेशन नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ MICE और कॉन्सर्ट टूरिज्म हब है, जहां अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर, बेहतर कनेक्टिविटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में 300 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव सुमन बिल्ला ने 2035 तक भारत को शीर्ष वैश्विक MICE डेस्टिनेशन बनाने की रणनीति साझा की। भारत का MICE बाजार 2024 में 49,000 मिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है और 2030 तक इसके दोगुना होने की उम्मीद है। आगामी 5-6 मई को जीआईटीबी का आयोजन जेईसीसी, जयपुर में होगा जिसमें 55 देशों के 280 अंतरराष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शिव महापुराण कथा का किया श्रवण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित हो रही शिव महापुराण कथा का रविवार को श्रवण किया। उन्होंने क्था वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने शिव भगवान की आरती कर प्रदेश की खुशहाली एवं आमजन की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। शर्मा ने शिव महापुराण कथा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोता को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर की पवित्र भूमि पर भगवान शिव की महिमामयी कथा का आयोजन हो रहा है, जो कि हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान शिवकैलाशपति, भोलनाथ व विश्वनाथ के रूप में पूजे जाते हैं। ऋषि, मुनि, संत और महंत भगवान शिव के गुणों का कथा वाचन कर समाज को मार्ग दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव की कृपा से ही जीवन में शांति, समृद्धि और सकारात्मकता का संचार होता है। शिव महापुराण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने का एक दैवीय दर्शन है। उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सनातन धर्म का पुनर्जागरण हो रहा है। उज्जैन में महाकाल लोक का भव्य निर्माण और वाराणसी में भगवान विश्वनाथ के कॉरिडोर का विकास इसका जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ, सोमनाथ व बद्रीनाथ का बदला हुआ स्वरूप भी सभी देख रहे हैं।इन सब से हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत भी विश्व पटल पर गौरव प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ में विश्वभर के लोगों का आकर पवित्र स्नान करना हमारी सनातन संस्कृति की विराटता को दर्शाता है। शर्मा ने कहा कि इस कथा के जरिए बहने वाली भक्ति की रसधारा को सुनने के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति को देखकर उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। माता पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और मां अमृता देवी जैसी महान मातृशक्ति से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडितप्रदीप मिश्रा जिस सरलता और गहनता से शिव महापुराण कथा को जन-जन तक पहुंचाते हैं, वह अद्भुत है। उनकी वाणी में वह शक्ति झलकती है, जो हर श्रोता के हृदय को स्पर्श करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस तरह के आयोजन होने चाहिए, जिससे हमारी विरासत, संस्कृति और सनातन को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, विधायक बालमुकुन्दाचार्य सहित कई लोग उपस्थित रहे।

भोपालगढ़ में वीर तेजा जाट बालिका छात्रावास का उदघाटन

डॉ. सतीश पूनिया की दरियादिलीः एक माह की पेंशन बालिका छात्रावास निर्माण में भेंट

जयपुर टाइम्स

जोधपुर(निसं.)। मारवाड़ प्रवास पर भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां भोपालगढ़ में वीर तेजा जाट बालिका छात्रावास के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए, जहां उन्होंने आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया। पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, जगदीश डूडी इत्यादि ने अपने पूर्वजों की स्मृति में बालिका छात्रावास का निर्माण कर बालिका शिक्षा के लिए श्रेष्ठ कार्य किया है; इसके लिए सतीश पूनियां ने जाखड़, डूडी परिवार सहित समस्त आयोजकों का हार्दिक अभिनंदन व धन्यवाद दिया। सतीश पूनियां ने संतों का आशीर्वाद लिया और संबोधित करते हुए कहा कि, किसी पावन पवित्र स्थान पर किसी व्यक्ति की उपस्थिति निश्चित रूप से उसको ऊर्जा देती है, ईश्वर की कृपा थी कि मारवाड़ में इतनी बड़ी संख्या में किसानों, माता-बहनों के बीच में उपस्थित होकर मुझे महाराज श्री की कथा श्रवण करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति का व्यक्ति हूं लेकिन समाज से भी जुड़ा हूं, एक कोई विदेशी व्यक्ति आया तो उससे पूछा कि हिंदुस्तान कैसा चल रहा है, किसी ने मजाक में कह दिया कि भगवान भरोसे चल रहा है, लेकिन भगवान ईश्वर की ताकत क्या है वह प्रयागराज के महाकुंभ में पूरी दुनिया ने देखी की किस तरीके से करोड़ों लोगों ने आस्था के समुद्र में डुबकी लगाई। यहां जो माताएं बहनें बैठी हैं जिन्होंने आस्था से भारत को जीवंत रखा है, सभी आयोजकों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। बालिका छात्रावास के पुण्य का काम आयोजकों ने किया है, मैं अपनी तरफ से मेरे विधायक की जो पेंशन है उसमें से एक महीने की पेंशन बालिका छात्रावास के लिए समर्पित करता हूं। इस पवित्र मंच से मारवाड़ की किसान सरदारी से निवेदन करता हूं कि बालिका शिक्षा के लिए बढ़-चढ़कर आगे आएं, क्योंकि बालिका के शिक्षित होने से परिवार, समाज, प्रदेश और देश शिक्षित होगा, जो राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण कारक है।

बाप विधायक जयकृष्ण पटेल रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई के तहत एक बड़ा कदम उठाते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो ने बागीदौरा (बांसवाड़ा) से भारत आदिवासी पार्टी बाप के विधायक जयकृष्ण पटेल को रविवार को जयपुर स्थित उनके सरकारी आवास से 20 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह राज्य का पहला मामला है, जब किसी मौजूदा विधायक को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के डीजी रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि विधायक पटेल ने राजस्थान विधानसभा में खनन विभाग से जुड़े तीन सवाल लगाए थे, जिन्हें वापस लेने के एवज में उन्होंने शिकायतकर्ता से पहले 10 करोड़ रुपये की मांग की थी। बाद में यह सौदा 2.5 करोड़ रुपये में तय हुआ। रविवार सुबह शिकायत कर्ता पटेल को 20 लाख रुपये देने उनके क्वार्टर पहुंचे, जहां विधायक ने कार में बैठकर खुद पैसे गिने और फिर उन्हें अपने एक सहयोगी को सौंप दिया, जो मौके से फरार हो गया। एसीबी की पांच टीमों ने पहले से ही घेराबंदी कर रखी थी। जैसे ही पैसे ट्रांसफर हुए, पटेल को हिरासत में लिया गया और हाथ धुलवाने पर उन पर रंग लगा पाया गया, जो रिश्वत ट्रैपिंग के प्रमाणस्वरूप होता है। उनके आवास की तलाशी ली गई, और सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी गई है। एसीबी को इस मामले की शिकायत 4 अप्रैल को रविंद्र सिंह नामक व्यक्ति से मिली थी। शिकायत के सत्यापन के बाद विधायक, उनके गनमैन, पीएस और शिकायतकर्ता के कॉल्स सर्विलांस पर ले लिए गए थे। 4 मई को पटेल और शिकायत कर्ता की मुलाकात जयपुर में तय हुई, जहां कार्रवाई को अंजाम दिया गया। फिलहाल पटेल से पूछताछ जारी है, लेकिन वे सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं। सोमवार को उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। इस कार्रवाई से राजस्थान की सियासत में हलचल मच गई है।

वायुसेना प्रमुख की प्रधानमंत्री मोदी से अहम मुलाकात

जयपुर टाइम्स

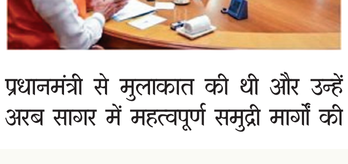

नई दिल्ली(एजेंसी)। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में यह अहम बैठक हुई। इससे पहले नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उन्हें अरब सागर में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की समग्र स्थिति से अवगत कराया था। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह और प्रधानमंत्री मोदी के बीच राष्ट्रीय राजधानी में लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर हुई यह बैठक पीएम की अध्यक्षता में उस बैठक के कुछ दिनों बाद हुई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहे। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक भी हुई थी पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई थी। हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। सरकार ने आतंकवाद को करारा झटका देने के भारत के राष्ट्रीय संकल्प के प्रतिबद्धता जताई। पीएम मोदी ने कहा कि हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों और इसके पीछे के साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा मिलेगी। सरकार ने सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर निर्णय लेने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी। इससे पहले पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार ने एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी।

संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी भारतीय भाषाओं को सशक्त बनाने के लिए कर रहे कामः शाह

जयपुर टाइम्स

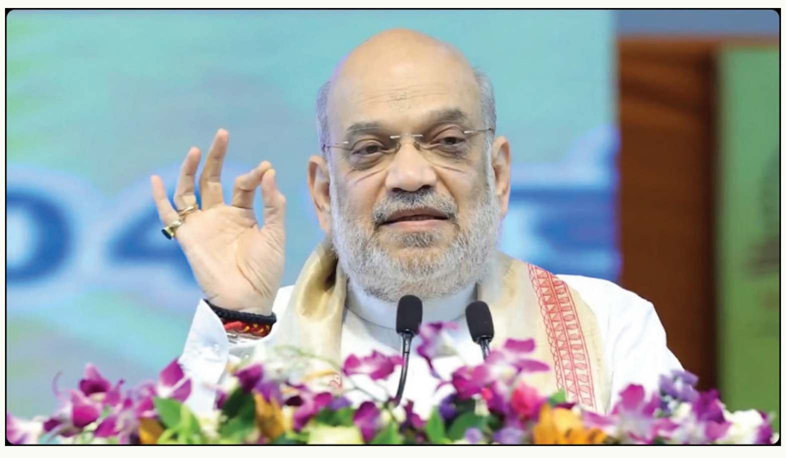

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि किसी भी भाषा का विरोध नहीं है क्योंकि कोई भी अपनी मातृभाषा से दूर नहीं रह सकता, और संस्कृत लगभग सभी भारतीय भाषाओं की मां है। यह बात अमित शाह ने दिल्ली में आयोजित 1008 संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि संस्कृत का प्रचार-प्रसार सिर्फ इसके पुनरुत्थान का सवाल नहीं है, बल्कि यह भारत की समग्र प्रगति का भी माध्यम है।

संस्कृत दुनिया की सबसे वैज्ञानिक भाषा

अमित शाह ने कहा कि जब संस्कृत समृद्ध और सशक्त होगी, तब देश की हर भाषा और बोली को ताकत मिलेगी।' उन्होंने संस्कृत को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक भाषा बताया और कहा कि इसकी व्याकरण संरचना अद्वितीय है। गृह मंत्री ने संस्कृत भारती संगठन की तारीफ करते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर शिविर आयोजित करना साहसिक काम है। उन्होंने कहा कि संस्कृत का पतन तो उपनिवेश काल से पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन अब इसके पुनरुद्धार में समय और निरंतर प्रयास लगेंगे।

देश में संस्कृत के पुनर्जागरण का अनुकूल माहौल

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश में संस्कृत के पुनर्जागरण का अनुकूल माहौल बना है। उन्होंने कहा कि सरकार, जनता और समाज का सामूहिक मानस संस्कृत के उत्थान के लिए पूरी तरह समर्पित है। अमित शाह ने बताया कि 1981 से संस्कृत भारती दुनिया भर में संस्कृत ज्ञान को फैलाने और लाखों लोगों को संस्कृत बोलने और सीखने के लिए प्रशिक्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई बड़े विद्वान भी संस्कृत को सबसे वैज्ञानिक भाषा मानते हैं।

वरिष्ठ संस्कृत विद्वानों की हो रही नियुक्ति

गृह मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को अब केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है और 'सहस्र चूड़ामणि योजना' के तहत वरिष्ठ संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश भर में बिखरे हुए संस्कृत और प्राकृत के पांडुलिपियों को इकट्ठा करने के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभी तक 52 लाख से ज्यादा पांडुलिपियां दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से 3.5 लाख का डिजिटलीकरण और 1.37 लाख को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।

गृह मंत्री ने की संस्कृत भारती की तारीफ

अमित शाह ने कहा कि संस्कृत में छिपे गहरे ज्ञान में दुनिया की कई समस्याओं का समाधान मौजूद है। उन्होंने बताया कि संस्कृत भारती ने अब तक एक करोड़ से ज्यादा लोगों को संस्कृत बोलना सिखाया है, एक लाख से ज्यादा शिक्षक तैयार किए हैं और देश में 6,000 परिवार आज भी सिर्फ संस्कृत में बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अब 4,000 गांव हैं, जहां पूरा संचार संस्कृत में होता है। संस्कृत भारती ने दुनिया के 26 देशों में 4,500 केंद्र बनाए हैं और 2011 में दुनिया का पहला विश्व संस्कृत पुस्तक मेला भी आयोजित किया था। अमित शाह ने कहा कि संस्कृत भारत की आस्था, परंपरा, सत्य और सनातन संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वेद, उपनिषद और हजारों संस्कृत ग्रंथों में छिपा ज्ञान अब पूरी दुनिया तक पहुंचाना चाहिए। इस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई लोग उपस्थित रहे।

CMYK

दर्जनों संस्थानों ने संयुक्त तत्वाधान में धूमधाम से मनाया वर्ल्ड लाफ्टर डे

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। आर.डी.एन.सी.मित्तल फाउंडेशन द्वारा संचालित अलवर लाफ्टर क्लब, कम्पनी बाग़ विकास समिति, भारतीय योग संस्थान , पतंजलि परिवार, सर्व हितकारी योग संस्थान, लायंस क्लब अलवर मत्स्य, भारत विकास परिषद् , इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी , स्काउट एण्ड गाइड फ़ेलोशिप अलवर एवं अन्य कई संस्थाओ द्वारा संयुक्त रूप से वर्ल्ड लाफ्टर डे कम्पनी बाग अलवर में रविवार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। लाफ्टर योग से पूर्व विभिन्न आसन ,प्राणायाम, ध्यान योग इत्यादि भी करवाए गए ताकि रोजाना की सामान्य योग दिनचर्या बनी रहे मित्तल फाउंडेशन के मुख्य ट्रस्टी एवं लाफ्टर क्लब के संस्थापक डॉ.एस.सी.मित्तल ने सभी को विश्व लाफ्टर डे की बधाई देते हुए लाफ्टर योग कराया लोगो का हँस हँसकर बुरा हाल हो गया पेट में बल पड़ गए एक दुसरे को देखकर हँसी काफी देर तक छुटती रही डॉ. मित्तल ने बताया कि हंसी के अध्ययन को जेलोटोलोजी कहा जाता है इस वर्ष का थीम मानसिक स्वास्थ्य के लिए हँसी की शक्ति" रखा गया है 10 मई 1998 में विश्व हँसी दिवस की शुरुआत डॉ. मदन कटारिया ने मुम्बई में की थी विश्व हँसी दिवस मनाने के कई फायदे होते है जैसे तनाव कम करने के लिए, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, सामजिक संबंधो को मजबूत करने में मदद करता है कार्यक्रम में अलवर लाफ्टर क्लब के फाउंडर एवं समाजसेवी डॉ. एस. सी. मित्तल, आर. एस. एस. अलवर के संरक्षक एवं भारत विकास परिषद् अलवर के संरक्षक डॉ. के. के. गुप्ता, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, लायंस क्लब इंटरनेशनल के पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इंजी.सुभाष जोशी, सरोज डाटा, आर.डी.एन.सी.मित्तल फाउंडेशन की आजीवन ट्रस्टी अलका मित्तल, डॉ. महेश जैन, लाफ्टर क्लब अलवर से माया गुप्ता, मधु गुप्ता, राज खण्डेलवाल, संजय भारद्वाज, हरविंदर अनेजा, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी से सेंट जॉन एम्बुलेंस के चेयरमैन गिरीश गुप्ता, लायंस क्लब अलवर मत्स्य से लायन रुपेश गुप्ता, लायन अनिल बंसल , स्काउट एंड गाइड फ़ेलोशिप से रामप्रकाश गुप्ता, प्रमिला गुप्ता, रामानन्द गुप्ता, कम्पनी बाग़ विकास समिति से अध्यक्ष श्रवण कुमार महावर, सचिव - जुगल किशोरे सैनी, सतीश कुमार शर्मा , महेंद्र खण्डेलवाल, अशोक सैनी, रामानन्द गुप्ता, मित्तल हॉस्पिटल से प्रशासक गिरीश गुप्ता , आर.सी.बोस, भारतीय योग संस्थान से संजय अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, विवेक खण्डेलवाल, कैलाश सिंघल, गिर्राज सैनी, सुनील गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल ,थावर मॉल वर्मा, प्रमोद सैनी, मंजू अग्रवाल, दीक्षा खण्डेलवाल, हीना गुप्ता, पिंकी गुप्ता, हरीश यादव, संतोष यादव, सुभाष जोशी, बृजेश गुप्ता, दया चौधरी, सुनीता अग्रवाल, विवेक खण्डेलवाल, नरेन्द्र गुप्ता, सारिका गोयल, निधि अग्रवाल, सोना गुप्ता, सुरेन्द्र अग्रवाल, अश्वनी अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, डॉ.मानसिंह ,पंकज अग्रवाल, विभा आर्य, मुकेश कोचर, हँसराज, अमर सिंह यादव, नीलम अग्रवाल, पतंजलि परिवार से बृजमोहन पाठक, हट्टी सिंह राजावत, धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, रामसिंह निर्वाण, राजेंद्र नगर, सतीश शर्मा, सुभाष, धाकड़, सीमा चौधरी, शारदा गोयल, माया शर्मा, कमलेश कटारिया, बीना शर्मा, नीतू, गायत्री, सुरेन्द्र चक्रवती, रजनी, धीरज, सुशीला, विष्णु गुप्ता, सर्व हितकारी योग संस्थान से संजीव खत्री, रेनू खत्री, युवराज सिंह तंवर, गुलशन मदान सहित तकरीबन 250-300 लोगो ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से फैली सनसनी

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) उपखंड के समीपवर्ती नीमला गांव में रविवार सुबह एक व्यक्ति की शव मिलने से सनसनी फ़ैल गई टहला थाना पुलिस ने बताया कि नीमला गांव के ग्रामीणों ने सूचना दी कि नीमला गांव के भोमिया की डूंगरी धोलपुरी में अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची शव को राजगढ़ चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा व मेले की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) कस्बे के चौपड़ बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में शनिवार को श्री जगन्नाथ महाराज की 171वीं रथयात्रा व मेले की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित हुई बैठक में मेला कमेटी की नवीन कार्यकारिणी के चुनाव हुए महंत पूर्ण दास और एडवोकेट मदनमोहन शास्त्री ने बताया कि सदस्यों ने सर्वसम्मति से महेंद्र प्रसाद तिवारी को पुन अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया है बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम अवतार सैनी, सचिव पद हरिओम गुप्ता, सह सचिव इंद्र लाल सैनी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र मोड़िया, सह कोषाध्यक्ष एडवोकेट सुनील शर्मा, ऑडिटर एडवोकेट विश्वास मित्तल, व्यवस्थापक महंत पूर्ण दास, मदनमोहन शास्त्री, पंडित रोहित शर्मा, रथ मेंटेनर सुरेश चंद सैनी, परमानंद सैनी, ताराचंद सैनी को नियुक्त किया। संरक्षक मंडल में वसंत गुप्ता, खेमसिंह आर्य, रामअवतार मामोडिया, गिर्राज लखेरा, राजेंद्र सर्राफ, प्रदीप महावर, सुरेश गुप्ता, अशोक गुप्ता, गायत्री देवी तथा सदस्य चिराग सैनी, यादराम सैनी, अंशुल सैनी, यश खण्डेलवाल, मुकेश सैनी, कुंज बिहारी, जगन सैनी, कालुराम सैनी, गौरीशंकर, जितेंद्र सैनी,पवन पटवा, देव सोनी आदि मौजूद रहे।

वन मंत्री ने जनसुनवाई कर परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को अपने निवास स्थान 201 रघुमार्ग पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत पुनर्गठन, सडक, विद्युत, पुलिस, स्थानांतरण की परिवेदनाएं प्रमुख रही जिस पर मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये। परिवेदनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरते जाने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जावेगी। उन्होंने फरियादियों से कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा आमजन के कल्याण हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की गई है जिनका जागरूक रहकर लाभ उठाने के साथ-साथ अन्य लोगों को लाभ उठाने हेतु जागरूक करें।

अनौपचारिक कार्यबल को सशक्त बनाने के लिए निःशुल्क शिविर

6 से 8 मई तक श्रमिकों का पंजीयन कर ई-श्रम कार्ड जारी किए जाएंगे

जयपुर(कासं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के द्वारा विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर एक सप्ताह 1 मई से 7 मई 2025 तक असंगठित कामगारों के हित में विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला एवं श्रम विभाग के समन्वय से दिनांक 6 मई 2025 को हीरापुरा चौराहा चौखटी पर, 7 मई 2025 को सीकर रोड व रोड नं 14 चौखटी पर तथा 8 मई 2025 को इंडिया गेट, सीतापुरा चौखटी पर ई-श्रम कार्ड बनवाए जाने एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा श्रमिकों के कल्याण के संबंध में संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु निःशुल्क शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा ने बताया कि शिविर में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होने पर श्रमिक का ई-श्रम कार्ड जारी किया जाएगा। ई-श्रम कार्ड से श्रमिक को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा जिसमें से प्रमुख योजनाएं क्रमशः श्रमिकों के बच्चों को पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति राशि व प्रोत्साहन राशि, बच्चों के जन्म पर सहायता राशि, दुर्घटना में मृत्यु या घायल होने की स्थिति में वित्तीय सहायता, विभिन्न गंभीर बीमारियों के पीड़ितों हेतु सहायता, बच्चियों के विवाह के दौरान प्रोत्साहन राशि, विभिन्न बीमा योजना का लाभ, व्यावसायिक ऋण पर ब्याज के पुनर्भरण, श्रमिकों के बच्चों का उच्च शिक्षा में प्रवेश पर ट्यूशन फीस की पुनर्भरण योजना का लाभ, श्रमिकों के बच्चों का खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर वित्तीय लाभ, आदि है।

वन मंत्री ने किया वनपाल नाका कुंडला का औचक निरीक्षण, अव्यवस्था मिलने पर लगाई फटकार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को टहला रेन्ज के वनपाल नाका कुण्डला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री शर्मा ने निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में गंदगी मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिये कि साफ-सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखे। उन्होंने कार्मिक उपस्थिति पंजिका की जांच कर अनुपस्थित कार्मिकों की गैर हाजिरी लगाई। इस दौरान उन्होंने कार्मिकों के सोते हुए पाए जाने पर फटकार लगाते हुए कहा कि अपने कार्य प्रति उत्तरदायी रहते हुए कार्य के प्रति सजग व सतर्क रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके पश्चात मंत्री शर्मा ने टहला में प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत हुए प्रदीप पंचोली के सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में पहुंचकर उनके राजकीय सेवाकाल को पूर्ण करने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक की भूमिका विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर समाज को नई दिशा देना है। उन्होंने कहा कि शिक्षक के रूप में इनकी सेवाएं सराहनीय रही है। इन्होंने आदर्श शिक्षक के रूप में अपने कार्यों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन किया है। मंत्री शर्मा ने साउथ वेस्ट ब्लॉक काला कुआं अलवर में अपने प्रतिनिधि पौधा लगाने के संकल्प के तहत पौधारोण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कांग्रेस का आरोपः भाजपा सरकार की लापरवाही की वजह से आमजन पानी को तरस रहा है -मिश्रा

पानी की मांग के लिए अखैपुरा मोहल्लेवासियों ने परशुराम सर्किल पर लगाया जाम

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर के अखेपुरा मोहल्ले के महिला एवं पुरुषों ने पीने के पानी की मांग करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में परशुराम सर्किल पर जाम लगाया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि बढ़ती हुई गर्मी में अलवर शहर के जलदाय विभागीय अधिकारी, कर्मचारी तथा भाजपा की सरकार की लापरवाही की वजह से आम जन पीने के पानी को तरश रहा है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि बीजेपी की सरकार को बने हुए लगभग डेढ़ वर्ष बीत चुका है लेकिन राजस्थान के अलवर के सांसद केन्द्र में मंत्री है, तथा शहर विधायक राज्य में मंत्री होने के बावजूद अलवर शहर में पीने के पानी की किल्लत मची हुई है। शहर के सभी 65 वार्डो में पीने के पानी को लेकर आहाकार मचा हुआ है। आज यह वह कहावत हो गई जहां अंधेर नगरी, चौपट राजा। टका शेर भाजी, टका शेर खा जा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि राजस्थान के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी अलवर पधारे थे तथा जन सुनवाई के दौरान जब जलदाय मंत्री से पानी की मांग करते हुए उनका वीडियो बनाया जा रहा था, तो अलवर के मंत्री ने उस युवक का फोन छीन कर उसे धमकाया। ये अलवर में बीजेपी सरकार का तानाशाह पूर्ण रवैया है, जिसे शहर की जनता स्वीकार नहीं करेगी तथा पीने के पानी की मांग करने के लिए सड़क से लेकर सदन तक भी आंदोलन करना पड़े तो कांग्रेस पार्टी शहर की जनता के साथ खड़ी रहेगी। जाम के वक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने जलदाय विभाग के एईएन तथा अरावली विहार एसएचओ को मौके पर जनता की परिवेदना से अवगत करवाया। जलदाय विभागीय अधिकारी हरिओम जाट ने पांच दिन में अखेपुरा मोहल्ले की किन्नर वाली गली के पानी की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है तथा जब तक बोरिंग गहरी होकर हर घर में पानी नहीं पहुंचेगा तब तक कल से ही टैंकरों से पानी की आपूर्ति का आश्वाशन दिया तब जाकर जाम खोला गया। मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि अखेपुरा मोहल्ले की पानी की समस्या का समाधान अगले पांच दिन में नहीं हुआ तो जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में परशुराम सर्किल पर जाम लगा कर प्रदर्शन किया जाएगा, उसमें अगर कानून व्यवस्था खराब होती है तो उसकी जिम्मेदारी राजस्थान सरकार, जलदाय विभागीय अधिकारी ओर जिला प्रशासन की होगी।

चार दिन-एक संकल्प, जिला कलक्टर के नवाचार से 114 गोवंश पहुंचे सुरक्षित आशियाने

जिला कलक्टर के नवाचार से चार दिन में 114 गोवंश को मिला सुरक्षित आश्रय

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा। जिले के शहरी क्षेत्रों (नगर परिषद / नगर पालिका) में निराश्रित गौवंश के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका और घटनाओं को देखते हुए जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने इस दिशा में एक अभिनव पहल "निराश्रित गोवंश को आश्रय अभियान 2025" शुरू की जिसमें अभियान के जिले भर में कुल अबतक 114 गोवंशों को आश्रय प्रदान किया गया। जिला कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान का संचालन नगर परिषद एवं नगर पालिका क्षेत्रों में किया जा रहा है। अभियान के तहत रविवार को नगर परिषद तिजारा क्षेत्र से 42 गोवंश को आश्रय प्रदान किया, इसी प्रकार खैरथल में 3 गोवंशों को आश्रय प्रदान किया गया। अभियान के तहत अब तक नगर परिषद तिजारा में 70 गोवंश, नगर परिषद खैरथल में 13 गोवंश, नगर परिषद भिवाड़ी में 11 गोवंश, नगर पालिका कोटकासिम में 15 गोवंश, नगर पालिका मुंडावर में 5 गोवंश को आश्रय प्रदान किया गया। अभियान के तहत नगर परिषद और नगर पालिका स्तर पर प्रभावी ढंग से संचालित कर नगरों में घूम रहे निराश्रित गौवंश को चिन्हित कर निकटवर्ती गौशालाओं में सुरक्षित रूप से पहुंचाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य दुर्घटनाओं को रोकना, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और निराश्रित पशुओं को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना है।

जातिगत जनगणना के फैसले का स्वागत, 50 फीसदी आरक्षण की दीवार हटाना असली लड़ाई- यादव

हेमंत यादव ने केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना के फैसले का स्वागत करते हुये सामाजिक न्याय की लड़ाई को पूरा समर्थन देने का लिया फैसला

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) अखिल भारतीय ओबीसी बहुजन महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत यादव ने केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना के फैसले का स्वागत करते हुये सामाजिक न्याय की लड़ाई को पूरा समर्थन देने का फैसला लिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण की 50 प्रतिशत तय सीमा को हटाने एवं आबादी के हिसाब से हर एक वर्ग की भागीदारी, प्रतिनिधित्व नहीं मिलने तक संघर्ष किया जायेगा। साथ ही मंडल कमिशन की अन्य लंबित पड़ी मांगों को भी अमली जामा पहनाया जाने की दिशा में काम करना होगा।

कांस्टेबल पर जानलेवा हमला करने वाले एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निसं.) थाना पुलिस ने पुलिस हेड कांस्टेबल पर जानलेवा हमला करने वाले 1 आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी राजेश मीना ने बताया कि 22 फरवरी को परिवादी ने मामला दर्ज कराया कि 21 फरवरी को अचानक तबीयत खराब हो गई मैं अपने बेटे रामकेश को फोन किया तो वह अपने मिलने वाले कि बोलेरो कार लेकर घर आया और मेरा इलाज कराने के लिए ढ़िगावडा में डॉक्टर को दिखाने के लिए लेकर आ रहा था तभी रास्ते में शिवलाल के मकान के पास पहुंचे तो वहां पर पहले से घात लगाकर बैठे शिवलाल, देवकरण, उमराव पुत्र केहरीलाल, रिंकू उर्फ दुल्ली पुत्र शिवलाल अन्य महिला पुरुष एक राय होकर अपने हाथों में धारदार हथियार, फर्सी व देसी कट्टा लेकर आये और हमारी गाड़ी को जबरदस्ती रोक लिया और गाड़ी से मुझे जबरदस्ती निकाल लिया और मुझे बंधक बनाने लगे तो मेरे बेटे रामकेश व गाड़ी के ड्राइवर ने मुझे छुड़ाने का प्रयास किया तो उक्त सभी लोगों ने एक राय होकर मेरे बेटे को जान से मारने की नीयत से उस पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला बोल दिया जिससे मेरे बेटे के सर व शरीर में काफी गंभीर चोट आई। हमारे पीछे आ रही एक कार में बैठे लोगों ने हमें बचाने का प्रयास किया तो शिवलाल के परिवार वालों ने उनकी कार व उन पर पत्थर फेंके जिससे उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई तथा उक्त कार में बैठे लोग डर से भाग गए। तब शिवलाल में उसके परिवार वालों ने हमें बंधक बना लिया तभी किसी ने थाने में फोन कर दिया तो मौके पर पुलिस आ गई और हमें उक्त लोगों से छुड़वाया तथा मेरे बेटे को राजगढ़ सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया तो उसकी हालत गंभीर होने पर अलवर व अलवर से जयपुर भर्ती कराया। जो अभी भी जयपुर सरकारी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं। थाना पुलिस ने हैंड कांस्टेबल रामकेश पर जानलेवा हमला करने वाले रिंकु उर्फ दुल्ली पुत्र शिवलाल निवासी खरखड़ा को गिरफ्तार कर घटना के समय प्रयोग में ली गई लाठी को बरामद किया गया

जयपुर में ड्यूटी के दौरान पुलिस कॉन्स्टेबल पर हमला, पीछे से ईंट मारकर सिर फोड़ा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। में ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस कॉन्स्टेबल पर हमला कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। यह वारदात शुक्रवार रात करणी विहार थाना क्षेत्र के गांधी पथ चौराहे की है, जहां ड्यूटी कर रहे कॉन्स्टेबल रामप्रसाद को अज्ञात बदमाशों ने पीछे से सिर पर ईंट मार दी और मौके से फरार हो गए। करणी विहार थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि कॉन्स्टेबल रामप्रसाद जयपुर ट्रैफिक ब्रांच में तैनात हैं और शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे ट्रैफिक कंट्रोल की ड्यूटी पर थे। अचानक किसी अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से उन पर ईंट से वार किया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। खून से लथपथ हालत में कॉन्स्टेबल जब पीछे मुड़े, तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। सूचना पर करणी विहार पुलिस मौके पर पहुंची और घायल कॉन्स्टेबल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। शनिवार रात कॉन्स्टेबल रामप्रसाद ने थाने में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से हमलावरों की पहचान करने में जुटी है। वारदात के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुलिस इसे गंभीरता से लेते हुए सभी एंगल से जांच कर रही है।

जयपुर में मॉल के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। के वैशाली नगर इलाके में एक मॉल के बाहर खड़ी कार को चोरों ने निशाना बनाते हुए फिल्मी अंदाज़ में वारदात को अंजाम दिया। चोर ने गुलेल से पत्थर मारकर कार का पिछला शीशा तोड़ा और पिछली सीट पर रखा लैपटॉप बैग चोरी कर लिया। यह पूरी घटना मॉल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस अब फुटेज के आधार पर चोर की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, नर्सरी सर्किल निवासी पीड़ित केशव ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शनिवार शाम वह अपने दोस्तों के साथ वैशाली सर्किल स्थित मॉल आए थे। उन्होंने मॉल के बाहर पार्किंग में अपनी कार खड़ी की और अंदर चले गए। इसी दौरान एक बदमाश ने कार की रैकी कर मौके को अंजाम देने की तैयारी की। चोर ने गुलेल से पत्थर मारकर कार का शीशा तोड़ा और सीट पर रखा लैपटॉप बैग निकाल कर फरार हो गया। करीब आधे घंटे बाद जब केशव वापस लौटे तो उन्हें चोरी का पता चला। उन्होंने तुरंत वैशाली नगर थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें चोर की हरकतें साफ नजर आ रही हैं। चोरी हुए बैग में एक लैपटॉप और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फुटेज के आधार पर चोर की पहचान कर उसे पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का समापन, विशाल भण्डारे का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.)। कस्बे के लक्ष्मी नगर स्थित श्रीराम मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का रविवार को समापन हुआ। कथा वाचक व्यास सुदामा दास महाराज द्वारा श्रीकृष्ण सुदामा मिलन की कथा सुनाई गई। उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लाभ भी बतायें। मंदिर कमेटी सदस्यों ने व्यास सुदामा दास महाराज, रामबचन दास महाराज, सीताराम दास महाराज, पं. बजरंग लाल शर्मा समेत अनेक साधु-संतों का सम्मान किया। इस मौके पर विशाल भण्डारे का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर प्रभात फेरी लक्ष्मी नगर द्वारा 01 लाख 31 हजार रूपये की राशि भेंट की गई। जिनका मंदिर पुजारी रामबच्चन दास महाराज, मक्खनदास महाराज, सीताराम दास महाराज आदि द्वारा सम्मान किया गया। इस दौरान 251 साधु संतों समेत रामविलास सिंघल, कमल जांगिड़, अनिल जांगिड़, रोहिताश सैनी, अरुण गर्ग, विजय आनंद भारद्वाज, पप्पू कुमावत, सुरेश सैनी, सुरेंद्र सैनी, सतीश यादव, जगदीश मीणा, जगदीश सैनी, दौलत महात्मा, वेदप्रकाश सैन, पूर्व पार्षद भीखाराम सैनी, जितेंद्र पत्रकार, पूर्व सरपंच शिंभूदयाल गर्ग, केशव टेलर, सुरेश मेहरा, सुरेश सैनी, हीरालाल सैनी, सुभाष आदि मौजूद रहे।

न्यायालय परिसर में डिस्पोजल, प्लास्टिक कप प्लेट पर पूर्णतः प्रतिबंध

कोटपूतली (निसं.)। जिला अभिभाषक संघ द्वारा न्यायालय परिसर में डिस्पोजल व प्लास्टिक कप, प्लेट पर पूर्णत प्रतिबंध लगाया गया है। जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष एड. उदय सिंह तंवर ने बताया कि प्लास्टिक, कागज के डिस्पोजल कप मनुष्य के स्वास्थ्य के लिये हानिकारक व कैंसरकारक है। उन्होंने समस्त अधिवक्ताओं एवं न्यायिक कर्मचारियों के स्वास्थ्य को देखते हुये चाय सप्लायर्स जो न्यायालय परिसर में चाय उपलब्ध करवाते है से अपील कि है कि चाय मिट्टी के सकोरो व कांच के कप में उपलब्ध करवायें, अन्यथा डिस्पोजल, प्लास्टिक कप प्लेट में चाय वितरण करने पर 1100 रूपये का जुर्माना वसूला जायेगा एवं उल्लंघन किये जाने पर कानूनी कार्यवाही भी की जायेगी।

हाउसिंग बोर्ड को उपभोक्ता आयोग से बड़ा झटका : फ्लैट में देरी और अतिरिक्त वसूली पर 62 हजार का जुर्माना

तीन साल की देरी से किया फ्लैट का आवंटन, 66% अधिक राशि वसूली

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग तृतीय ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को उपभोक्ता के साथ अनुचित व्यवहार और सेवा में कमी का दोषी मानते हुए 62 हजार रुपए जुर्माना अदा करने का आदेश दिया है। आयोग ने यह निर्णय फ्लैट के आवंटन में तीन साल की देरी और तय कीमत से 66 प्रतिशत अधिक राशि वसूलने के मामले में सुनाया है। आयोग अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर और सदस्य दुष्यंत कुमार शर्मा की बेंच ने यह

निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट किया कि हाउसिंग बोर्ड को फ्लैट की अनुमानित कीमत में अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही वृद्धि करने का अधिकार है। लेकिन इस मामले में बोर्ड ने 12 लाख रुपए के फ्लैट के बदले उपभोक्ता से 21.05 लाख रुपए वसूल किए, जो कि अनुमानित कीमत से 66 प्रतिशत अधिक है। मामला जयपुर के लेखराज बगड़ी से जुड़ा है, जिन्होंने 2010 में हाउसिंग बोर्ड की इंदिरा गांधी नगर जी प्लस 3 योजना में फ्लैट के लिए आवेदन किया था। योजना के तहत 8 अक्टूबर 2010 को लॉटरी होनी थी, लेकिन यह प्रक्रिया करीब डेढ़ साल की देरी से 30 मार्च 2012 को पूरी हुई। उस वक्त फ्लैट की अनुमानित कीमत 12 लाख रुपए थी, पर आवंटन पत्र में कुल कीमत 21.05 लाख रुपए दर्शाई गई। बगड़ी ने इस पर आपत्ति जताई, लेकिन बोर्ड ने मामूली कटौती कर उनसे पूरी राशि जमा कराने का दबाव डाला और अलॉटमेंट रद्द करने की चेतावनी दी। अंततः उन्होंने 10 जून 2015 को भुगतान कर फ्लैट का कब्जा ले लिया। बोर्ड ने अपने पक्ष में कहा कि आवेदन के समय उपभोक्ता को बुकलेट दी गई थी जिसमें लिखा था कि कीमत अनुमानित है और अंतिम कीमत अलॉटमेंट के समय तय होगी। लेकिन आयोग ने यह तर्क अस्वीकार करते हुए कहा कि बोर्ड को 10% से ज्यादा बढ़ोतरी का अधिकार नहीं है। आयोग ने आदेश दिया कि हाउसिंग बोर्ड उपभोक्ता को फ्लैट की कीमत 12 लाख रुपए में 10% की वृद्धि जोड़कर 13.20 लाख रुपए के अनुसार आवंटित माने। साथ ही मानसिक पीड़ा के लिए 51 हजार और परिवाद खर्च के 11 हजार रुपए कुल 62 हजार का मुआवजा भी अदा करे। यह फैसला हाउसिंग बोर्ड की योजनाओं में पारदर्शिता और उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

व्यक्तित्व विकास में विद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण मंत्री जोराराम

पाटोदी में आदर्श विद्या मंदिर का शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) बाड़मेर जिले की बायतु विधानसभा क्षेत्र के पाटोदी में पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने आदर्श विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय का भूमि पूजन किया। शिलान्यास समारोह में जोराराम कुमावत ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण संस्था है। यह न केवल छात्रों को ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, बल्कि उनके व्यक्तित्व, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आदर्श विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी देश की नींव होते हैं। इस दौरान मंत्री कुमावत ने जनसुनवाई करते हुए फरियादियों को आश्वस्त किया कि राज्य की भजनलाल शर्मा की सरकार में आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता किया जाता है। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पंच दशनाम जूना अखाड़ा व मठाधीश परेऊ गुरुदेव श्रीश्री 1008 महंत ओमकार भारती महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक व क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य नंदलाल (बाबाजी), पोकरण विधायक 1008 महंत प्रताप पुरी महाराज, भाजपा प्रदेश प्रतिनिधि बालाराम मूंढ, पाटोदी प्रधान ममता जोगेंद्र प्रजापत, ग्राम पंचायत पटोदी के प्रशासक धमेंद्र भील, आदर्शशिक्षण संस्था, बालोतरा के संरक्षक मूलचंद सालेचा, विधालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कांतिलाल कांकरिया, श्रीबालाजी मंदिर, पाटोदी के गणपत भारती जी महाराज सहित अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राजस्थान महिला अधिकारी महासंघ की बैठक में कार्यकारिणी का पुनर्गठन, सामाजिक सरोकार और कार्यस्थल सुधारों पर लिया संकल्प

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) रविवार को राजस्थान महिला अधिकारी एवं कर्मचारी एकीकृत महासंघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में महासंघ की प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसके साथ ही महिला अधिकारियों ने सामाजिक सरोकार, महिला सशक्तिकरण और कार्यस्थल सुधारों को लेकर कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की और भविष्य की रणनीति तय की। महासंघ की प्रवक्ता डॉ. संजुला थानवी ने बताया कि बैठक में बालिका शिक्षा, सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार, राहगीरों व पशु-पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था, वृक्षारोपण और अनाथ-असहाय बच्चों के लिए सेवा कार्यों जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। महासंघ ने इन विषयों पर ठोस कार्य योजना बनाने का संकल्प लिया। बैठक में उपस्थित विभागीय प्रतिनिधियों ने महिला कर्मचारियों की चुनौतियों को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। विशेष रूप से सरकारी कार्यालयों में क्रेच सुविधा अनिवार्य करने का सुझाव दिया गया, ताकि कामकाजी महिलाएं अपने छोटे बच्चों की देखरेख को लेकर चिंतामुक्त होकर कार्य कर सकें। नर्सेज कैडर की ओर से पदोन्नति में महिला और पुरुष कर्मचारियों के बीच हो रहे भेदभाव को लेकर भी आवाज उठाई गई। महासंघ ने इस पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया और कहा कि इस विषय को प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से उठाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता महासंघ की संरक्षक डॉ. नसरीन भारती, अध्यक्ष विजेता चारण, महासचिव अंजु हर्ष और कोषाध्यक्ष अंजु गोयल ने की। बैठक में डॉ. वंदना कल्ला, कविता जोशी, कल्पना देबाना, स्वाति दीक्षित, नीलम नावरिया, मितेश झाझरिया, शाइस्ता खान, कविता खंडेलवाल, डॉ. आशालता और डॉ. पूनम सैनी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नई महिला अधिकारियों ने महासंघ की सदस्यता ग्रहण की, जिससे संगठन की शक्ति और प्रभाव क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। महासंघ ने सभी महिला अधिकारियों से एकजुट होकर कार्यस्थल पर बेहतर माहौल बनाने, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और नीति-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

राजस्थान में बदला मौसम का मिजाज सीकर में तेज बारिश, चूरू में बिजली गिरने से 10 भेड़ों की मौत; कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राजस्थान में रविवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। सीकर में दोपहर बाद तेज बारिश हुई, जिससे सड़कों पर पानी भर गया। कई इलाकों में घुटनों तक पानी जमा हो गया। मौसम विभाग ने प्रदेश के 10 जिलों में ऑरेंज और 23 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही 7 मई तक तेज आंधी और बारिश की चेतावनी दी गई है। चूरू के सादुलपुर इलाके में बिजली गिरने की घटना में 10 भेड़ों की मौत हो गई। लम्बोर खेड़ी गांव में रविवार दोपहर बारिश के दौरान चरवाहा मोहनलाल राहड़ अपनी भेड़ों को खेजड़ी के पेड़ के नीचे बैठा रहा था। तभी बिजली गिरने से पेड़ के नीचे बैठी 10 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना प्रशासन को दी गई है, ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग की है। शनिवार रात जालोर के थांवला गांव में एक साथ तीन मकानों पर बिजली गिरी। एक घर की पानी की टंकी फट गई और इलेक्ट्रिक उपकरण जल गए। फलोदी और अन्य शहरों में भी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। राजधानी जयपुर में शनिवार दोपहर बाद मौसम बदल गया। धूलभरी आंधी के बाद बारिश हुई, जिससे तापमान में करीब 10 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। दोपहर में जहां तापमान 35 डिग्री तक पहुंच गया था, वहीं शाम तक यह गिरकर 25.7 डिग्री रह गया। पाली के जवाई क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 19.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अन्य शहरों में भी तापमान गिरा है। हालांकि दिन में सबसे अधिक गर्मी चित्तौड़गढ़ में रही, जहां पारा 43.6 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक प्रदेशभर में मौसम अस्थिर रहने की संभावना जताई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है।

मिसेज राजस्थान 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन 7 मई तक, महिलाओं को मिलेगा खुद को साबित करने का मौका

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान की प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता मिसेज राजस्थान 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 7 मई तक घोषित की गई है। यह प्रतियोगिता उन विवाहित महिलाओं के लिए है जो अपने अधूरे सपनों को पूरा करना चाहती हैं और अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। फ्यूजन ग्रुप द्वारा आयोजित इस इवेंट के माध्यम से महिलाएं न केवल राज्य स्तर पर, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी पहचान बना सकती हैं। आयोजक योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा ने बताया कि मिसेज राजस्थान प्रदेश की एकमात्र ऐसी प्रतियोगिता है, जो महिलाओं को नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर प्रतिनिधित्व के लिए तैयार करती है। अब तक इस मंच से कई कंटेस्टेंट्स ने मिसेज यूनिवर्स जैसे बड़े खिताब भी जीते हैं। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली महिलाओं को सात दिन की ग्रूमिंग ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसमें पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, कैटवॉक, पब्लिक स्पीकिंग, फिटनेस, और आत्मविश्वास बढ़ाने जैसी एक्टिविटीज शामिल होंगी। इसके बाद फिनाले इवेंट में महिलाएं अपनी कला और आत्मविश्वास के साथ मिसेज राजस्थान 2025 का खिताब जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कुछ नियम भी तय किए गए हैं। प्रतिभागी महिला राजस्थान की मूल निवासी होनी चाहिए, उनकी आयु 20 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उनकी हाइट न्यूनतम 5 फीट होनी चाहिए। रजिस्ट्रेशन के लिए इच्छुक महिलाएं और अधिक जानकारी के लिए मिसेज राजस्थान के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर संपर्क कर सकती हैं। यह एक बेहतरीन मौका है उन महिलाओं के लिए जो अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं

वन्दे मातरम कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.)। ।निकटवर्ती ग्राम रामसिंहपुरा के श्री हरिहर आश्रम ब्रह्मलीन बाबा घनश्याम दास महाराज की तपोस्थली महन्त सर्वज्ञ मुनी महाराज के सानिध्य में वन्दे मातरम् कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के देश भक्ति गीत के द्वारा श्रोताओं को भाव विभोर किया गया। कार्यक्रम में पहलगाम में 22 अप्रैल की जो घटना पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा सुनियोजित तरीके से 26 भारतीय लोगों के ऊपर अंधा धुंध गोलियां धर्म पुछकर चलाई गई उसकी कड़े शब्दों में निन्दा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत समाजसेवी रतनलाल शर्मा द्वारा भारत माता के जय घोष, इंकलाब जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से की गई। पं सतीश शर्मा ने कहा कि जो भारतीय सेना से टकरायेगा वो चूर चूर हो जायेगा। कलाकार लक्ष्मी नारायण गिराटी ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुति दी। बाल कलाकार बिल्लु कसाणा ने देशभक्ति गीत ए मेरे वतन के लोगों, माई रंग दे बसंती चोला जैसे विभिन्न देश भक्ति गीतों की प्रस्तुती दी। इस दौरान ख्यालीराम कसाणा, भोलाराम कसाणा, धर्मवीर, सरजीत, शुभम शर्मा, रोहिताश, रामसिंह, सुन्दर सिंह अध्यापक, पप्पूराम समेत अन्य मौजूद रहे।

आईएएस भूकर का पैतृक गांव में हुआ स्वागत

जयपुर टाइम्स

रावतसर(निसं.) नवचयनित आईएएस सुखराम भूकर का रविवार को उनके पैतृक गांव मातासर में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। पूर्व सरपंच मनोज थोरी ने बताया कि नवचयनित आईएएस सुखराम भूकर का रविवार को पैतृक गांव मातासर पधारने पर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान भूकर का ग्रामीणों ने साफा पहनाकर और देशी पटू लूकार ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर भूकर ने कहा कि आज के समय में शिक्षा बहुत ही जरूरी है। शिक्षा के बिना व्यक्ति का जीवन अधूरा है। अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर शिक्षा पर ध्यान दें और बाल विवाह नहीं करे। इस मौके पर आईएएस सुखराम भूकर ने अपने संघर्ष की दास्तां सुनाई। कार्यक्रम में भुरटिया सरपंच उत्तमचंद खोथ,मातासर सरपंच पनाराम विरट,पचायत समिति सदस्य किरट विरट,ग्राम सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष भलाराम भूकर, ग्राम विकास अधिकारी कृष्ण कुमार भूकर, राणाराम मेगवाल, नवीन बाल विघा मंदिर रावतसर के निदेशक नवीन गोदारा,नरेंद्र भूकर, जयपाल भूकर,चुतराराम भूकर, दुर्गाराम डऊकिया,सवाईलाल डऊकिया अमेदाराम भूकर सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

शराब की दुकान को हटवाने के लिए धरना व प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं) गोविंद राव जी का रास्ता, चांदपोल बाजार जयपुर के कॉर्नर पर शराब की दुकान को हटाने के लिए लोगों ने आज भारी मात्रा में इकट्ठा होकर धरना व प्रदर्शन किया स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस संदर्भ में हमने विगत 15 महीने से इसको हटाने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं इसकी सूचना हमने आबकारी आयुक्त पुलिस आयुक्त जिला कलेक्टर व मुख्यमंत्री महोदय को दे चुके हैं लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है क्योंकि दुकान के 120 मीटर की दूरी पर सीताराम जी का मंदिर स्थित है, जो नियमों द्वारा विहित 200 मीटर की दूरी की तुलना में भी बहुत कम है7 ऐसी स्थिति में आबकारी नियमों के अंतर्गत उक्त दुकान अनाधिकृत व नियम विरुद्ध होने से तुरंत प्रभाव से बंद हो जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकान पर एक खिड़की के माध्यम से दुकान खोलने के निर्धारित समय के पूर्व उपरांत भी शराब

की बिक्री होती रहती है, शराब का सेवन करने वाले खुलेआम गली में शराब का सेवन करते हैं एवं विरोध करने पर गाली गलौज एवं झगड़े पर उतारू हो जाते हैं, जिससे संपूर्ण मोहल्ले का वातावरण विषाक्त होता जा रहा है। जिससे शहर वासियो मे गहरा रोष व्याप्त है इसके चलते आज सभी स्थानीय नागरिकों द्वारा शराब की दुकान के आगे धरना दिया गया द्य एवं अनशन के माध्यम से आंदोलन को उग्र करने हेतु संबंधित अधिकारियों को नोटिस दिया जा चुका है।

कस्टोडियन भूमि किसानों की दशकों पुरानी समस्या

कोटपूतली (निसं.)। कस्टोडियन भूमि के निराकरण की मांग एक बार फिर जोर पकडने् लगी है। कस्टोडियन भूमि का मतलब है अंडर कस्टडी ऑफ गवर्मेंट, इसके मालिकाना अधिकार आज भी सरकार के पास है। आजादी के बाद से ही स्थानीय किसान यहाँ काबिज है, लेकिन इसके मालिकाना अधिकार स्थानीय किसानों को नहीं मिल पाये हैं। यह जमीन आजादी से पहले मुस्लिम समुदाय की थी और आजादी के बाद से स्थानीय किसान इस पर खेती कर रहे हैं। उक्त समस्या को लेकर शनिवार को ग्राम बसई के किसानों के प्रतिनिधि मण्डल ने विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ से शिष्टाचार भेंटकर उन्हें अपनी पीड़ा से अवगत करवाया। विधायक धनकड़ ने मुख्यमंत्री से बात कर किसानों की समस्या का समाधान करवाये जाने का आश्वासन दिया।

"केसीसी के नाम पर चालबाज़ी: निजी बैंकों की शिकारी पूँजी और किसानों की लूट"

निजी बैंक किसानों को केसीसी योजना के तहत ऋण देते समय बीमा और पॉलिसियों के नाम पर चुपचाप उनके खातों से पैसे काट लेते हैं। हाल ही में राजस्थान में एक्सिस बैंक की ऐसी ही करतूत उजागर हुई जब एक किसान ने वीडियो बनाकर सच्चाई सामने रखी। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि पूरे बैंकिंग तंत्र में फैली एक भयावह प्रवृत्ति है। सरकार और आरबीआई की निष्क्रियता इसे और खतरनाक बनाती है। अब समय है कि किसान जागे, सवाल करे और अपना आर्थिक अधिकार माँगे।

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत एक कृषि प्रधान देश है। यह वाक्य हम स्कूलों में पहली कक्षा से पढ़ते आ रहे हैं, पर सवाल यह है कि क्या वाकई भारत का दिल किसानों के साथ धड़कता है? क्या सरकारें, बैंकिंग संस्थाएं, और आर्थिक नीति निर्माता इस कृषि प्रधानता का सम्मान करते हैं? हाल ही में राजस्थान के एक वीडियो ने इस सवाल को फिर से जीवंत कर दिया, जहाँ एक पढ़ा-लिखा किसान एक्सिस बैंक की उस चाल को बेनक़ाब करता है, जो उसके जैसे लाखों भोले किसानों के साथ हो रही है–बिना बताये उनके किसान क्रेडिट कार्ड खाते से बीमा और पॉलिसियों के नाम पर पैसे काट लिए जाते हैं। यह घटना केवल एक राज्य की नहीं, बल्कि एक पूरे आर्थिक शोषण तंत्र का हिस्सा है।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना को सरकार ने किसानों को सस्ती दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया था ताकि वह अपनी खेती की लागत को बिना साहूकारों के जाल में फंसे, पूरा कर सके। इस योजना की आत्मा थी - आसान, पारदर्शी और भरोसेमंद वित्तीय सहायता। परन्तु जब यही योजना निजी बैंकों के हाथ में जाती है, तो वह इसे एक बेचने योग्य उत्पाद बना देते हैं। किसानों को केसीसी के नाम पर जबरन जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा, और कभी-कभी तो मोबाइल सिम या अन्य सेवाएं भी थमा दी जाती हैं। इन सबकी कीमत सीधे उनके खाते से काट ली जाती है–बिना उनकी सहमति, बिना जानकारी।

राजस्थान में एक किसान द्वारा रिकॉर्ड किया गया वीडियो इस पूरे तंत्र की परतें खोलता है। किसान एक्सिस बैंक से पूछता है कि उसके खाते से पैसे किस अधिकार से काटे गए? बैंक कर्मियों के पास कोई स्पष्ट उत्तर नहीं। वह पॉलिसी की बात करते हैं, मगर सहमति के कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाते। वीडियो में साफ झलकता है कि यह "नीति" नहीं, बल्कि नीचता है। किसान की भाषा, आत्मविश्वास और तथ्यात्मक तैयारी यह बताती है कि यदि किसान जागरूक हो जाए, तो यह तंत्र ज्यादा दिन नहीं टिकेगा।

ऐसा नहीं है कि केवल एक्सिस बैंक इस तरह की गतिविधियों में लिप्त है। कई अन्य निजी बैंक - ICICI, HDFC, IDFC और यहाँ तक कि कुछ सहकारी बैंकों पर भी किसान संगठनों ने ऐसे आरोप लगाए हैं। किसानों के खातों से बीमा के नाम पर सालाना हज़ारों रुपये काट लिए जाते हैं। कई बार तो उन्हें यह भी नहीं पता होता कि उनके नाम पर कोई पॉलिसी चालू की गई है। जब वे शिकायत करने बैंक जाते हैं, तो उन्हें या तो चुप करा दिया जाता है, या कहा जाता है - "यह नियम है", "यह सिस्टम से कटता है", या "आपने फ़ॉर्म पर हस्ताक्षर किए थे"। यहाँ हस्ताक्षर का मतलब जबरन भरवाया गया फार्म होता है, जिसे किसान समझ ही नहीं पाता।

यह सवाल बेहद जरूरी है कि सरकारें इस पर क्या कर रही हैं? क्या उनके पास इस बात की जानकारी नहीं है कि बैंकों द्वारा किसानों के साथ धोखाधड़ी की जा रही है? अगर है, तो क्या अब तक कोई कठोर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि हो या ऋण माफी योजनाएं, यह सब किसानों के नाम पर चलती हैं। पर जब उनके ही पैसे चुपचाप काटे जाते हैं, तब वही सरकारें मौन क्यों हो जाती हैं? क्या सरकार निजी बैंकों की इस 'अनैतिक कमाई' में मौन साझेदार बन चुकी है?

हाल के वर्षों में किसानों ने कई बार इस विषय पर जनहित याचिकाएँ दायर की हैं। कुछ राज्यों की उच्च न्यायालयों ने इस पर ध्यान भी दिया है, पर कोई राष्ट्रीय स्तर पर एक ठोस नीति सामने नहीं आई। भारतीय रिज़र्व बैंक ने कुछ दिशा-निर्देश ज़रूर जारी किए हैं, जैसे बीमा या कोई अन्य उत्पाद ग्राहक की स्पष्ट अनुमति से ही जोड़ा जाए, परंतु जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है।

शहरों में रहने वाला पढ़ा-लिखा ग्राहक जब बैंक में जाता है, तो उसे बीमा, पॉलिसी और ट्रांजेक्शन से जुड़ी हर बात बताई जाती है। लेकिन वही बैंक जब गाँव में शाखा खोलता है, तो वहाँ नियमों की किताबें गायब हो जाती हैं। ग्रामीण ग्राहक को 'कमज़ोर, अनपढ़ और भोला' मानकर बैंकों का रवैया 'लूट और डराने' वाला हो जाता है। इसे ही हम आर्थिक असमानता कहते हैं–जहाँ सुविधा नहीं, सिर्फ़ 'शोषण' पहुँचता है।

सरकार को चाहिए कि वह हर पंचायत स्तर पर डिजिटल और बैंकिंग साक्षरता शिविर आयोजित करे। किसान को यह समझाना जरूरी है कि वह क्या साइन कर रहा है और उसका क्या असर होगा। साथ ही RBI को एक ऐसा ऑनलाइन पोर्टल बनाना चाहिए जहाँ किसान अपने खाते से कटे हर रुपये का कारण जान सके, और बिना बैंक के पास जाए उसे शिकायत दर्ज कराने की सुविधा मिले। यदि किसी बैंक की कई शाखाओं से ऐसी शिकायतें आती हैं, तो उस बैंक पर किसान ऋण से जुड़ी सेवाओं पर रोक लगाई जाए। गाँव स्तर पर किसान जागरूकता समितियाँ बनें, जो बैंकिंग धोखाधड़ी की निगरानी करें और ज़रूरत पड़ने पर बैंक का बहिष्कार करें।

आज भारत का किसान न केवल मौसम से, ज़मीन से, और बाजार से लड़ रहा है, बल्कि बैंकों के दोगलेपन से भी जूझ रहा है। वो बैंक, जो कभी उसकी आर्थिक रीढ़ बनने का वादा करते हैं, अब उसकी पीठ में छुरा घोंपने लगे हैं। ऐसे में यह ज़रूरी है कि हम सिर्फ़ वीडियो देखकर हैरान न हों, बल्कि उस किसान की चेतना को अपनाएँ, जो सवाल करता है, जवाब मांगता है और अपने अधिकार के लिए आवाज़ उठाता है।

किसान को सिर्फ़ अनाज उगाने वाली मशीन न समझा जाए। वो भी एक सजग नागरिक है। जिस देश में उसके नाम पर बजट तैयार होता है, वहाँ उसकी जेब खाली करने वालों को माफ़ नहीं किया जा सकता। "संस्कारों ने झुकना सिखाया है, पर किसी की अकड़ के सामने नहीं"–इस वाक्य को केवल एक तस्वीर की सीमा में न रखें। यह किसानों के संघर्ष की असल कहानी है। अब समय आ गया है कि हर किसान, हर नागरिक, हर पत्रकार और हर नीति निर्माता यह समझे – अगर किसान की आवाज़ नहीं सुनी गई, तो कल खेत भी चुप हो जाएगा और थाली भी।

बदलती जीवनशैली के साथ बदल गये हैं रसोई के बर्तन!

सुनील कुमार महला,

फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

खान-पान के लिहाज से भारतीय संस्कृति बहुत ही धनवान या यूं कहें कि बहुत ही 'रिच'(समृद्ध) रही है।जब भी हम खान-पान करते हैं तो किसी न किसी बरतन में करते हैं। दरअसल, बर्तनों और खान-पान के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध पाया जाता है। हम चाहे घर में हों, यात्रा में हों या कहीं भी बाहर, विभिन्न धातुओं और सामग्रियों से बने बर्तनों का प्रयोग खाना खाने-पीने के लिए करते हैं। समय के साथ जैसे जैसे हम विकास की ऊंचाइयों को छूते चले जा रहे हैं, वैसे-वैसे ही हम नये युग में प्रवेश करते हुए अपने खान-पान के बर्तनों को भी बदलते चले जा रहे हैं। प्राचीन काल में मिट्टी, तांबे,कांसे, लोहे, पीतल से बने बर्तनों का प्रयोग किया जाता था, यहां तक जानकारी मिलती है कि प्राचीन काल में लोग लकड़ी तक से बने बर्तनों, जैसे कि कटोरे और प्लेटों का उपयोग भी करते थे,लेकिन आज हम प्लास्टिक, एल्युमिनियम, चीनी मिट्टी (बोन चाइना क्रॉकरी), डिस्पोजेबल आदि का प्रयोग करने लगे हैं। प्राचीन काल में भोजन परोसने और खाने के लिए बड़े पत्तों का प्रयोग किया जाता था। आज भी केले के पत्तों का प्रयोग भोजन परोसने में किया जाता है, लेकिन यह समय के साथ बहुत ही सीमित हो चुका है।सच तो यह है कि जैसे-जैसे सभ्यताएं विकसित हुईं, लोगों ने अनेक प्रकार की धातुओं से बने बर्तनों का उपयोग करना शुरू कर दिया, जो भोजन परोसने और खाने के लिए अधिक सुविधाजनक, सुंदर और अच्छे थे। दरअसल, प्राचीन समय में भोजन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन और तरीकों में बहुत ही विभिन्नता थी, जो उनकी संस्कृति, जलवायु, और उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करती थी, आज विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए आधुनिक जरूर हो गए हैं, लेकिन आज बहुत सी धातुएं ऐसी आ चुकीं हैं जो हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहीं हैं। मसलन, आज कुकवेयर पर नॉन-स्टिक कोटिंग, एल्युमिनियम के बर्तन, डिस्पोजेबल के बढ़ते उपयोगों से और अन्य रासायनिक उपचारों के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं और हमें अनेक प्रकार की बीमारियों का शिकार बना रहीं हैं। बढ़ते प्रदूषण, बढ़ती जनसंख्या, औधोगिकीकरण के बीच आज हमारे खान-पान की संस्कृति, हमारे बर्तन बदल चुके हैं, और हम प्रकृति के सानिध्य से दूर केवल अपनी सुख-सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इन बर्तनों का प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन हमें इन बर्तनों के प्रयोग,इनके फायदे और नुकसान आदि के बारे में जानकारी होनी चाहिए, ताकि हम एक सुखी, संतुलित और बेहतर जीवन जी सकें।

मिट्टी इन बर्तनों में पोषक तत्व नष्ट नहीं होते और भोजन अधिक स्वादिष्ट बनता है। मिट्टी के बर्तन में पके हुए खाने से आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं, जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाने से 100% पोषक तत्व मिलते हैं, जो हर बीमारी को शरीर से दूर रखते हैं।आयुर्वेद के अनुसार यदि भोजन को पौष्टिक और स्वादिष्ट बनाना है, तो उसे धीरे-धीरे ही पकना चाहिए और ढक्कन को हटाकर ही खुले में पकाना चाहिए, जिससे भोजन को सूर्य और पवन का स्पर्श मिल सके। भले ही मिट्टी के बर्तनों में खाना बनने में समय थोड़ा ज्यादा लगता है, परंतु इससे सेहत को पूरा लाभ मिलता है।

सोना: पहले राजा-महाराजाओं/अमीर और शाही लोगों द्वारा सोने के बर्तनों में खाना खाया जाता था, इससे तन मजबूत होता है, हमारे पाचन में सुधार होता है, हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, और मन को शांत रखने में सहायता मिलती है। आयुर्वेद में सोने को सात्विक धातु भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है शुद्ध या योग्य। सोने के बर्तन में खाना खाने से याददाश्त तेज होती है, जो कि अल्जाइमर जैसी बीमारियों में भी फायदेमंद हो सकता है। इतना ही नहीं,सोने के बर्तन में खाना खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। दरअसल,सोने के बर्तन में खाना खाने से शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है, क्योंकि सोना एक निष्क्रिय धातु है, लेकिन सोने के बर्तन महंगे होते हैं, इसलिए वे सभी के लिए सुलभ नहीं होते हैं।

चांदी चांदी के बर्तनों में खाने से मन मजबूत होता है, रक्त का प्रवाह संतुलित रहता है। चांदी के बर्तनों में जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो भोजन को हवा में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया से बचाए रखते हैं।चांदी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करती है तथा चांदी में गैर-विषैले गुण होने के कारण, इसके बर्तनों में भोजन सुरक्षित होता है। यह खाने को ताज़ा रखती है।बच्चों को चांदी के बर्तन में खाना खिलाने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता रहता है, इसलिए अन्नप्राशन के समय आज भी गांव घरों में ननिहाल से चांदी के बर्तन आते हैं। इतना ही नहीं ,स्थायित्व के दृष्टिकोण से भी चांदी के बर्तन सिरेमिक और कांच के बर्तनों की तुलना में अटूट व अच्छे होते हैं।

कांसा ऐसे अनोखे गुण हैं जो इसे आयुर्वेद में मूल्यवान बनाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, कांसा को 'सात्विक' धातु माना जाता है, जो शुद्धता, स्पष्टता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। कांसे के बर्तनों में खाना पकाने और खाने से तीन दोषों (वात, पित्त और कफ) को संतुलित करने में मदद मिल सकती है, जिससे पाचन में सुधार होता है, प्रतिरक्षा में वृद्धि होती है और अम्लता और सूजन में कमी आती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कांसे के बर्तन में खाना बनाने से केवल 3 प्रतिशत ही पोषक तत्व नष्ट होते हैं। रक्त शुद्ध होता है।कांसा कुकवेयर अम्लीय खाद्य सामग्री के साथ मिलकर भोजन को थोड़ा क्षारीय बनाता है, जो बदले में पेट के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। कांस्य में पाए जाने वाले ट्रेस मिनरल, जैसे कि तांबा और टिन, हमारी रक्त वाहिकाओं की लोच बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये मिनरल रक्तचाप को नियंत्रित करने और हृदय रोग के विकास के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।

तांबा -बुजुर्ग बताते हैं कि ताम्बे के बर्तन में रखा पानी पीने से व्यक्ति रोग मुक्त बनता है, जठराग्नि शांत रहती है। लीवर सम्बंधी समस्याएं दूर होती है, ताम्बे का पानी शरीर के सभी विषैले तत्वों को नष्ट कर देता है।दरअसल, तांबा हमारे शरीर के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है, जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। तांबे के बर्तन में रखा पानी एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को नुकसान से बचाते हैं और एजिंग प्रोसेस को धीमा करते हैं। यही कारण है कि पुराने जमाने में इन बर्तनों का उपयोग काफी देखने को मिलता था।

पीतल: पीतल के बर्तन तांबे और जस्ते का मिश्रण होता है, जो शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। इसके अलावा, पीतल में रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं । उपलब्ध जानकारी के अनुसार पीतल के बर्तनों में भोजन पकाने और खाने से कृत्रिम रोग, कफ और वायुदोष की बीमारी नहीं होती है। शोध बताते हैं कि पीतल के बर्तनों में खाना बनाने से केवल 7 प्रतिशत पोषक तत्व नष्ट होते हैं। पीतल हमारे शरीर को ठंडा रखता है,रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है तथा पीतल में पाया जाने वाला मेलानिन, सूर्य की हानिकारक किरणों से त्वचा की रक्षा करता है।

लोहा -लोहे के बर्तनों में खाना पकाने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ती है, जैसा कि लोहे के बर्तन में फोलिक एसिड पाया जाता है,जिससे शरीर में आयरन की कमी दूर होती है।लोहे के बर्तन प्राकृतिक रूप से नॉन-स्टिक होते हैं, जिससे खाना चिपकता नहीं है। लोहे के बर्तनों का खाना स्वादिष्ट और स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर होता है।

स्टील: स्टील के बर्तन स्वास्थ्य की दृष्टि से नुकसानदायक नहीं होते हैं, क्योंकि ये न ही गर्म पदार्थों से कोई क्रिया ही करते है

वैश्विक शांति में आतंकवाद एक बड़ा अवरोध

संजीव स्तंभकार,

चिंतक, लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़,

समग्र रूप से वैश्विक स्तर पर देखें तो आतंकवाद कई देशों के लिए बड़ा नासूर बन चुका है। भारत में पहलगाम घटना को लिया जाए तो निर्दोष 27 भारतीय पर्यटकों की निर्मम हत्या इसका एक बड़ा उदाहरण है वैश्विक परिपेक्ष में देखें तो वैश्विक शांति के लिए आतंकवाद बहुत बड़ा अवरोध और बड़ी रुकावट है इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए अन्यथा मानवता कराहने लगेगी और ऐसे ही निर्दोष मासूम नागरिकों की हत्या होती रहेगी इनके विरुद्ध कडे से कड़ा कदम उठाकर इनकी जड़े ही खत्म कर देनी चाहिए और आतंकवादियों को चुन चुन कर मारा जाना चाहिए। इसराइल हमास युद्ध किसकी एक बड़ी कड़ी है और अब भारत सरकार भी पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के साथ उनके पालनहारों को भी खत्म करने में लगी हुई है।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना हैद्य भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती हैद्य भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका हैद्य आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगाद्य वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी हैद्य आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही हैद्य वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध में भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल रूप से नष्ट करना होगा, क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता,यह एक घिनौनी, हिंसक आतंक पैदा करने वाली विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय विरासत की वैश्विक प्रतिष्ठा और चुनी हुई चुप्पी

हरीश शिवनानी

इस वर्ष अपैल का महीना भारत के लिए ख़ासा महत्वपूर्ण रहा। ख़ुशी-ग़म, हर्ष-विषाद, मुस्कान और आँसू दोनों नज़रिए से। अभी 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस के मौके पर यूनेस्को ने भारतीयता के दो प्रतीक ग्रंथों - श्रीमद्भागवत गीता और नाट्यशास्त्र - को वैश्विक विरासत घोषित करने उल्लास पूरा हो भी न पाया था कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले ने विषाद से भर दिया। इन दोनों महत्वपूर्ण घटनाओं के संदर्भ में भारत के बौद्धिक जगत का पूर्वाग्रही और दोहरी मानसिकता का कृष्ण पक्ष एक बार फिर उजागर हो गया है। यूनेस्को से मिली भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर जिस रहस्यमय तरीकेसे यह वर्ग उदासीन, ख़ामोश रहा, वहीं आतंकी हमले के बाद एक सुनिश्चित-सी योजना के तहत परोक्ष रूप से आतंकवादियों, आतंकवाद के लिए जिम्मेदार देश के और आतंकवाद के मानसिक समर्थकों के पक्ष में चीख-चीख अपने दोगले चरित्र का परिचय दिया, वो गौरतलब है। यहाँ बात भारत को मिले वैश्विक सम्मान और उनकी चुप्पी की है।

संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक संघटक संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने विश्व धरोहर दिवस पर जो घोषणा की वो भारतवासियों के लिए सामान्य घोषणा नहीं थी। यूनेस्को ने इस वर्ष भारतीयता की अस्मिता और मानव समाज के लिए अद्भुत भेंट 'श्रीमद्भागवत गीता' और ललित कलाओं के अतुल्य ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' को 'मेमोरी ऑफ़ वर्ल्ड रजिस्टर' (विश्व समृति दस्तावेज) में शामिल कर उन्हें वैश्विक सम्मान दिया। भारत भारतवासियों के लिए यह गौरवशाली क्षण था। उन एक ऐसी उपलब्धि रही कि न केवल भारतीय बल्कि विश्व जगत के समूचे बौद्धिक वर्ग ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त व्यक्त कर यूनेस्को की इस पहल को सराहनीय बताया।

इन सब के बीच भारतीय समाज का ही एक ऐसा वर्ग है जिसने अपने ही देश भारत के इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर अपने होंठ कसकर सी लिये हैं और हमेशा की तरह एक चुनी हुई चुप्पी धारण कर ली है। हमारे लिए ये आल्हादकारी गौरव के क्षण के इसलिए नहीं हैं कि इन ग्रंथों को यूनेस्को के विश्व स्मृति दस्तावेज में अंकित किया गया है। वस्तुतः इसकी घोषणा एक ऐसे समय में की गई है जब भारतीय समाज का एक चुना हुआ बौद्धिक वर्ग भारत के स्वर्णिम अतीत, भारतीय प्रज्ञा, उसकी विचक्षण मेधा, उसके ज्ञान-दर्शन-साहित्य सहित समस्त विषयों,अकादमिक अनुशासन,अद्भुत मानवीय कौशल, उसकी विस्मयकारी उपलब्धियों को,यहाँ तक कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और भारतीयता के विचार को ही पूरी चेष्टा के साथ नकारने में जुटा रहता है। इतना ही नहीं, इसे लेकर वे पत्र-पत्रिकाओं, विभिन्न मंचों के साथ ही सोशल मीडिया पर पूरे जोर-शोर से नकारात्मक नरेशन (मिथ्या,असत्य, निराधार धारणाएं) गढ़ने और उसे फैलाने में भी सक्रिय हो जाते हैं। यह पहली बार नहीं है। इतिहास साक्षी है जब कभी,कहीं भारतीयता और भारतीय दृष्टि, आस्था, परम्पराओं, मूल्यों,मान्यताओं, स्थापनाओं,धर्म, दर्शन ग्रंथों की चर्चा चलती-निकलती है, उस समय भारतीय बौद्धिक जगत का यह चुना हुआ समूह एक विस्मयकारी चुनी हुई चुप्पी धारण कर लेता है या फिर अपनी पूरी मानसिक, शारीरिक ऊर्जा से उसे नकारने, उसका खंडन करने, उसकी प्रासंगिकता, उसकी सामयिकता, उसकी वैज्ञानिकता खोजने में लग जाता है। ऐसा विशेष कर उस समय, दौर विशेष में होता है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र के लिए गौरव के पल होते हैं। भारत और भारतीयता, भारतीय संस्कृति की चर्चा मात्र निकलने से उसकी 'प्रश्नाकुल मानसिकता' कुलबुलाने लगती है, उसका 'तर्कपूर्ण मस्तिष्क' एक सीमा तक आते-आते कुतर्कपूर्ण तरीके से उसके मूल्यों को कटघरे में खड़ा करने लगता है। निर्मल वर्मा ने 'चुनी हुई चुप्पी' शब्द का प्रयोग भारतीय बौद्धिक जगत की उस खामोशी को उजागर करने के लिए किया था, जो राजनीतिक निहितार्थों, प्रलोभनों और वर्तमान के अलावा भविष्य की कई 'संभावनाओं' के मद्देनज़र व्यक्त नहीं की जाती है।

इस वर्ग की चुनी हुई चुप्पी या मुखरता के अंतर्विरोध का आलम यह है कि यह समूह कवि किसी हिंसक तामसी परम्पराओं या अमानवीय स्त्री विरोधी रवायतों का खुलकर समर्थन हो नहीं करेगा बल्कि उसमें भागीदार बन कर जश्न मनाते हुए मुबारकबाद भी देगा तो वहीं किसी आस्था से जुड़े सात्विक पर्व की वैज्ञानिकता और प्रासंगिकता पर प्रश्न खड़े करेगा।

राष्ट्रीय विरासत की वैश्विक प्रतिष्ठा के इस गौरवपूर्ण क्षणों में एक निस्पृह चुप्पी, घोर उदासीनता, अजनबियत-सी दृष्टि, रखने वाले कोई समान्य,अपरिचित या गुमनाम लोग नहीं हैं, ये लोग राष्ट्रीय स्तर पर पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले, लिट् फेस्ट, साहित्य उत्सवों, महोत्सवों में दंभपूर्वक शिरकत करने वाले, विभिन्न मंचों के अलावा सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स रखने वाले अपने-आपको वे 'पढ़ने-लिखने की दुनिया वाला' घोषित करते हैं। भारतीय समाज का यह वो बौद्धिक वर्ग है, अपनी संस्कृति, अपने धर्म,अपने राष्ट्र को लेकर हीन भावना से ग्रस्त है। श्रीमद्भागवत गीता और नाट्यशास्त्र को वैश्विक सम्मान देकर इस अंतरराष्ट्रीय संस्था ने उनके नकारात्मक नरेशन, कुप्रचार को ध्वस्त कर दिया है। ऐसे में हकबकाया-सा यह समूह हमेशा की तरह एक चुनी हुई चुप्पी धारण करके बैठ गया है। इनकी चुप्पी और मुखरता मौके के अनुसार तय होती है। बड़े जतन से और बड़े प्रचार-प्रसार से निर्मित की गई अपनी 'प्रगतिशील-सेकुलर' छवि को बनाए रखने के उद्देश्य के कारण यह समूह उस समय भी निर्लज्ज बन गया था, जब मार्च 2001में अफगानिस्तान के बामियान में जब तालिबान ने विशुद्ध मज़हबी कारणों से डेढ़ हज़ार साल पुरानी दो बुद्ध प्रतिमाओं को टैंकों, गोलियों और डायनामाइट से ध्वस्त कर दिया। उस ऐतिहासिक विश्व धरोहर के विध्वंस के बाद भी इस समूह ने रस्मी-तौर पर मिमियाते हुए बुदबुदा कर हल्का-सा विरोध जता दिया और चुप्पी धारण कर ली।

अनवर में दीप्ति के छोटे रोल से कैसे बनीं मिर्जापुर की बिना त्रिपाठी

रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। मिर्जापुर में रसिका ने बिना त्रिपाठी का किरदार निभाया, जो मिर्जापुर सीरीज के हर एक प्रशंसक का पसंदीदा किरदार बन चुका है। रसिका ने बिना से पहले भी कई फिल्मों और सीरीज में बेहतरीन किरदार निभाए हैं, जिनमें उनके जबर्दस्त अभिनय ने दर्शकों का दिल जीता है।

मिर्जापुर-बिना त्रिपाठी

मिर्जापुर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में रसिका दुग्गल ने कालीन भैया की दूसरी पत्नी का किरदार निभाया था। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इसके बाद इसका दूरसा भाग मिर्जापुर 2 और अब जल्द ही मिर्जापुर 2 आने वाली है। इस सीरीज में बिना त्रिपाठी के किरदार से रसिका ने सभी का दिल जीत लिया है।

अनवर-दीप्ति

रसिका दुग्गल का जन्म 17 जनवरी 1985 को बिहार में हुआ। रसिका वैसे तो कई भारतीय फिल्मों और वेब सीरीज में अपनी बेहतरीन भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। 2007 में रसिका ने फिल्म अनवर में एक छोटी भूमिका के साथ स्क्रीन पर शुरुआत की थी। इस फिल्म में रसिका ने दीप्ति नाम का किरदार निभाया था। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी, जिसे मनीष झा ने लिखा और निर्देशित किया है। रसिका के अलावा इस फिल्म में सिद्धार्थ कोइराला और मनीषा कोइराला के साथ राजपाल यादव और नौहीद सिरुसी भी नजर आए।

दिल्ली क्राइम

नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस क्राइम सीरीज दिल्ली क्राइम में रसिका दुग्गल के काम ने दर्शकों का दिल जीतने में जरा सी भी कसर नहीं छोड़ी। इस सीरिज को रिची मेहता ने लिखा और निर्देशित किया है। इस सीरिज में रसिका के अलावा में शेफाली शाह, आदिल हुसैन और राजेश तैलंग नजर आए।

आउट ऑफ लव-डॉ. मीरा कपूर

रसिका दुग्गल के आउट ऑफ लव वेब सीरीज में भी बेहतरीन अभिनय किया है। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई थी। इस सीरीज में रसिका ने डॉ. मीरा कपूर की भूमिका निभाई थी। आउट ऑफ लव माइक बार्टलेट द्वारा डॉक्टर फोस्टर पर आधारित एक भारतीय थ्रिलर ड्रामा टेलीविजन सीरीज है। इसका निर्देशन तिग्मांशु धूलिया और ऐजाज खान ने किया है, जिसमें रसिका दुग्गल के अलाव पूरब कोहली मुख्य भूमिकाओं में नजर आए।

ए सूटेबल बॉय

नेटफ्लिक्स और बीबीसी वन पर रिलीज हुई सीरीज ए सूटेबल बॉय में भी रसिका दुग्गल के काम को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस सीरिज को मीरा नायर ने निर्देशित किया है। यह सीरीज विक्रम सेठ के 1993 के इसी नाम के उपन्यास से एंड्रयू डेविस द्वारा रूपांतरित की गई है।

मम्मी की ऐक्टिंग देख सिनेमा से हुआ प्यार

बॉलीवुड में जल्द ही एक और स्टार किड पर्दे पर दस्तक देने जा रही है और वह नई-नवेली हीरोइन हैं राशा थडानी। मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अपनी फिल्मी पारी का आगाज करने जा रही हैं। खास बात यह है कि बचपन से एक्ट्रेस बनने का सपना देखने वाली राशा ने अपनी 12वीं की पढ़ाई भी पूरी नहीं की थी, जब उन्हें यह फिल्म मिल गई। इसके चलते, उन्हें फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने बोर्ड एग्जाम की तैयारी भी करनी पड़ी। बकौल राशा, सिनेमा के लिए उनका प्यार अपनी मम्मी रवीना टंडन के सेट पर हुआ। वह कहती हैं, सिनेमा से प्यार तो मुझे बचपन में ही हो गया था, क्योंकि जब मैं छोटी थी, तब मम्मा के साथ उनके सेट पर बहुत जाती थी। मैंने उन्हें कैमरे के सामने परफॉर्म करते हुए काफी देखा है और उनसे बहुत सीखा भी है। मम्मी को डांस करते या कैमरे के आगे एक्सप्रेशन देते हुए देखना मेरे लिए बहुत प्रेरित करने वाला था। इसलिए, जब मैं बड़ी हो रही थी, तब मुझे पता था कि मुझे भी एक्टिंग ही करनी है। यह बात मेरी मम्मा और पापा भी जानते थे क्योंकि मेरा और कोई इंट्रेस्ट नहीं था। फिल्म में राशा का डांस नंबर उई अम्मा काफी पॉपुलर हो चुका है। राशा की मां रवीना टंडन के तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त, अंखियों से गोली मारे, शहर की लड़की जैसे कई आइकॉनिक डांस नंबर रहे हैं, तो क्या राशा ने अपनी मां से डांस के टिप्स लिए? इस पर उन्होंने बताया, मैं बचपन से डांस कर रही हूं। मैंने कथक सीखा है तो उससे मुझे बहुत मदद मिली। इसके अलावा, मम्मा ने मुझे अपने गानों के बजाय हमेशा रेखा जी के गाने, उनकी परफॉर्मेंसेज दिखाई। जैसे इन आंखों की मस्ती में... गाने में छोटे छोटे पार्ट ब्रेक करके वह सिखाती थीं कि देखो, रेखा जी के एक्सप्रेशन यहां पर कैसे है, तो मम्मी ने हमेशा यह सिखाया कि डांस में एक्सप्रेशन बहुत मायने रखता है।

राशा के मुताबिक, फिल्म के लिए बोली का अंदाज पकड़ना उनके लिए मुश्किल था। वह बताती हैं, हमने शूटिंग से पहले काफी वर्कशॉप किए थे। रिहर्सल भी की थी। घुड़सवारी की क्लासेज ली थीं। साथ ही, फिल्म में बुंदेलखंडी बोलनी थी तो उसके लिए भी क्लासेज हुई थीं, मगर इस बोली को पकड़ना मेरे लिए थोड़ा सा चुनौतीपूर्ण था। उसे पकड़ने में मुझे थोड़ी मुश्किल हुई थी। वहीं, पहले दिन की शूटिंग मुझे पूरी तरह याद ही नहीं है, क्योंकि मैं ब्लैंक हो गई थी। मैं पहली बार कैमरे के सामने शूट कर रही थी, इससे पहले मैंने फोटो शूट किए थे, पर जब मैं घोड़े और अपने को-ऐक्टर्स के साथ कैमरे के सामने थी और डायरेक्टर सर बता रहे हैं कि ऐसे करना है, वैसे करना है तो मैं बहुत डर गई थी।

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन में मुख्य किरदार निभाएँगी अभिनेत्री दीक्षा धामी

नए साल की शुरुआत के साथ, शेमारू उमंग अपने दर्शकों के लिए एक नया और रोमांचक शो लेकर आ रहा है, जिसका नाम है बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन। हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो ने दर्शकों को चैना से परिचित कराया, जो एक जिंदादिल और चतुर लड़की है। इस किरदार को प्रतिभाशाली अभिनेत्री दीक्षा धामी निभा रही हैं। राजस्थान की खूबसूरत पृष्ठभूमि पर आधारित इस कहानी में परिवार, परंपराओं और सत्ता संघर्ष का ताना-बाना बुना गया है। स्मार्ट और दिल की साफ लड़की चैना, गाँव की रहने वाली है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना अपनी बुद्धिमानी और अनोखे अंदाज़ से करती है। लेकिन, उसकी दुनिया तब बदल जाती है, जब हालात उसे गाँव की गलियों से एक भव्य हवेली तक ले आते हैं। उन्होंने आगे कहा, नए साल की शुरुआत इतने शानदार मौके के साथ करना मेरे लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। चैना एक बहादुर और अपने परिवार से जुड़ी हुई लड़की है। वह चालाक है, एक स्वाभाविक कहानीकार है और हमेशा अपने आसपास के लोगों के लिए सही समाधान ढूंढ़ती है। इस किरदार को निभाते हुए मैंने बहुत कुछ सीखा है और इसे और निखारने के लिए मैं कड़ी मेहनत कर रही हूँ। दीक्षा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, एक अभिनेत्री के रूप में हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नई सीख लेकर आता है, लेकिन यह शो मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक चैना की यात्रा से जुड़ाव महसूस करेंगे, उसकी भावनाओं को समझेंगे और इस खूबसूरत कहानी का भरपूर आनंद लेंगे।

बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की घाटी में विक्रम प्रभु की एंट्री

बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की मोस्ट अवेटेड फिल्म घाटी से फर्स्ट लुक उनके जन्मदिन पर जारी किया गया था। कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित फिल्म की इस झलक में वो काफी हिंसक दिख रह थीं। उनकी आंखों में प्रतिशोध की आग और माथे पर खून से अधिक गुस्सा साफ दिख रहा था। अब इस फिल्म को लेकर एक ताजा अपडेट सामने आया है। अनुष्का शेट्टी की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि विक्रम प्रभु इस फिल्म में लीडिंग रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म यूवी क्रिएशन द्वारा प्रस्तुत और राजीव रेड्डी और साई बाबू जगरलामुडी द्वारा निर्मित किया गया है। ब्लॉकबस्टर वेदम की सफलता के बाद, घाटी अनुष्का और कृष की दूसरी फिल्म है,और यह यूवी क्रिएशन के साथ अनुष्का की चौथी फिल्म भी है।

विक्रम प्रभु दमदार किरदार में नजर आएंगे

इस फिल्म में विक्रम प्रभु, देसी राजू के दमदार किरदार में नजर आएंगे। इस फर्स्ट लुक में विक्रम को घने जंगलों और बीहड़ घाट में पुलिस द्वारा पीछा करते हुए दिखाया गया है। विक्रम के कई जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस हैं जहां वह गुंडों से भिड़ते दिखेंगे।

अनुष्का और विक्रम के बीच शानदार केमिस्ट्री

एक्शन से भरपूर सीक्वेंस हल्के-फुल्के रोमांटिक टच के साथ खत्म होते हैं, जब विक्रम और अनुष्का एक-दूसरे के आसपास बाइक चलाते हुए नजर आते हैं जहां वे एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हैं, जो यह दर्शाता है फिल्म के निश्चित रूप से उनके बीच जबरदस्त केमेस्ट्री होगी। फिल्म में न केवल हाई-ऑक्टेन एक्शन बल्कि एक मजेदार लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी। तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी सहित कई भाषाओं में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

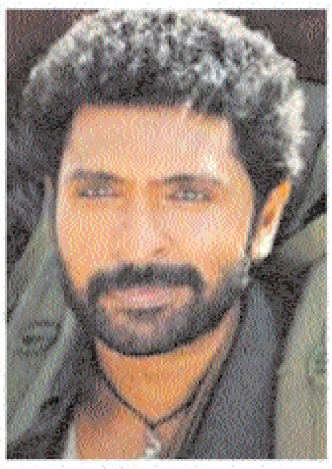

नंदामुरी बालकृष्ण के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा था

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला का हालिया रिलीज गाना 'दबीदी दबीदी' को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री ने बताया कि नंदामुरी बालकृष्ण के साथ डांस करना उनके लिए सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर रहा। यह उनके लिए कला के प्रति सम्मान था। अभिनेत्री ने कहा, नंदामुरी जैसे दिग्गज के साथ काम करना एक बड़ा सम्मान है। नंदामुरी सर के साथ डांस मेरे लिए सिर्फ एक परफॉर्मेंस नहीं था, यह कला, कड़ी मेहनत और कला के प्रति सम्मान है। उनके साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा था और हर कदम, हर इशारा साथ मिलकर कुछ खूबसूरत करने का था। अभिनेत्री ने कहा कि वह हर फीडबैक को महत्व देती हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मेरे फैंस से मिलने वाला प्यार और हमारे बीच का सच्चा जुड़ाव है। कला हमारी भावनाओं को दिखाती है और आलोचना चाहे जितनी भी हो, मेरा उद्देश्य शानदार और बेस्ट परफॉर्म करने में रहा है। फिल्म के 100 करोड़ रुपये के क्लब में पहुंचने के बारे में उन्होंने कहा, मैं 2025 की पहली आउटसाइडर अभिनेत्री के रूप में इतिहास रचने और इतनी तेजी से 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने के लिए खुद को लकी मानती हूं। मैं इस फिल्म को मिले रिएक्शन से वाकई बहुत खुश हूं। ब्लॉकबस्टर फिल्म बनना एक सपने के सच होने जैसा है और मैं इस सफलता का श्रेय अपने प्रशंसकों, फिल्म की टीम और दर्शकों के प्यार और विश्वास को देती हूं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में, यह मील का पत्थर बहुत मायने रखता है, यह कड़ी मेहनत, दृढ़ता और खुद पर विश्वास की वजह से है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि सिर्फ मेरी नहीं है, यह उन सभी के लिए है, जो बड़े सपने देखने और बाधाओं को तोड़ने की हिम्मत रखते हैं। यहां और अधिक सार्थक सिनेमा, कभी ना भूल पाने वाली कहानियां और साथ मिलकर इतिहास बनाने के लिए प्रयास जारी है!

संघर्ष के दिनों में मां मेरी नौकरी लगवाना चाहती थीं

आर्मी अफसर बनने की ख्वाहिश रखने वाले जयदीप अहलावत को जब वहां रिजेक्शन का सामना करना पड़ा, तब वह इस बात से अनजान थे कि भविष्य में अभिनय के क्षेत्र में नाम कमाने वाले हैं। एफटीआईआई से ग्रेजुएट हुए जयदीप अहलावत ने अभिनय जगत में भी संघर्ष किया, मगर गैंग्स ऑफ वासेपुर ने उनकी किस्मत बदल दी। फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी पर भी सराहनीय काम करने वाले जयदीप बहुत जल्द वेब सीरीज पातल लोक के सीजन 2 में नजर आएंगे।

आप फौज में जाना चाहते थे, मगर फिर अभिनय के क्षेत्र में आए, छोटे-मोटे रोल्स किए और आज तो आपके लिए खास तौर पर किरदार लिखे जा रहे हैं?

सच कहूं, तो आप धन्य होते हैं। ग्रैटिट्यूड महसूस करते हैं। आप उनके प्रतिअहसानमंद होते हैं, जिन लोगों ने आप पर भरोसा दिखाया। जब मुझे किसी एक काम का क्रेडिट मिलता है, तो मुझे वो सारे चेहरे याद आ रहे होते हैं, जिनके साथ मिलकर वो काम हुआ और मैं सभी को हाथ जोड़कर शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। वैसे मैं ऊपरवाले का इसलिए भी धन्यवाद अदा करना चाहूंगा, कि मेरे हाथ -पैर सलामत हैं। मेरा दिमाग चल रहा है और मेरे इर्द गिर्द के लोग मुझे सपोर्ट करते हैं। एक अभिनेता के रूप में इसलिए भी शुक्रगुजार हूं कि अच्छा काम मिलता गया।

क्या ये सच है कि संघर्ष के दिनों में आपकी मम्मी आपकी नौकरी लगवाना चाहती थीं?

हां, बिल्कुल सही है ये बात। मां को लगता था कि सरकारी नौकरी होगी, तो बंधी हुई तनख्वाह मिलेगी। उन्हें लगता था कि मेरा भविष्य सेफ हो जाएगा। हम सभी उसी बैकग्राउंड से आते हैं, जहां माता-पिता को लगता है कि बच्चा कोई सरकारी या सिक्योर नौकरी कर ले ताकि उनकी चिंता खत्म हो जाए कि बच्चे सर्वाइव कैसे करेंगे? खाना कहां से आएगा? वो फिक्र हम सभी मिडिल क्लास के माता-पिता की रहती है। मेरी मां ने जब मेरी नौकरी की बात कही, तब मैंने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। एक दिन मां ने काम का हालचाल जाना और बोलीं कि वह जान-पहचान वाले रूर से कह कर एक जूनियर प्रोफेसर की नौकरी जरूर लगवा सकती हैं।

गैंग्स ऑफ वासेपुर,राजी, एक्शन हीरो जैसी फिल्में हों या फिर पाताल लोक और द ब्रोकन न्यूज जैसी सीरीज, एक एक्टर के रूप में दोनों में काम करने के तरीकेकार में क्या अंतर पाते हैं?

एक अदाकार के रूप में कोई खास फर्क नहीं लगता, क्योंकि रोल के प्रति आपका समर्पण एक-सा होता है। आपकी कोशिश यही होती है कि आप अपने किरदार को ज्यादा से ज्यादा विश्वसनीय बना सकें। एक अंतर यह है कि वेब सीरीज में आप लंबे समय तक किरदार में रमे रहते हैं, तो जैसे पाताल लोक है, तो उसमें लगभग तीन फिल्मों जितना वक्त लगा पर उसका फायदा ये होता है कि आप किरदार को बहुत विस्तार से किया जा सकता है। तो कैरेक्टर को बिल्ड करना थोड़ा सरल है। फिल्मों में लेंथ कम होती है तो वो थोड़ा जल्दी हो जाती है। वेब सीरीज में थोड़ी-सी एनर्जी और वक्त देना होता है। लेकिन एक एक्टर के तौर पर आपकी अप्रोच वही होती है।

आपकी इस वेब सीरीज के सीजन 2 में आपके लिए इस रोल में नया क्या होगा?

नयापन तो स्क्रिप्ट में है। एक इंसान जो कई फ्रंट पर हारा हुआ-सा फील करता है, मगर वो ऐसा है नहीं। लोगों को लगता है कि वो फेल्योर है, मगर है नहीं। इतने बड़े केस को सुलझाने के बावजूद उसकी दुनिया में कुछ नहीं बदला है, क्योंकि कुछेक लोगों के अलावा सच किसी को नहीं पता। अब जो चुनिंदा लोग जो उसके करीबी हैं, उनकी नजर में हाथीराम चौधरी के प्रति लोगों का नजरिया बदल गया है। वो एक सत्यान्वेषी टाइप का आदमी है और सचाई जानने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। सीजन 2 में आपको एक अलग ही दुनिया देखने को मिलेगी, जहां आप खान-पान या किसी भी चीज से वाकिफ नहीं होंगे। इसकी जो पॉलिटिकल और भौगोलिक कंडीशंस हैं, वे हाथीराम चौधरी की पहुंच से बाहर हैं। मगर वो वहां भी सर्वाइव करता है। उसकी जान पर बन आती है, मगर वो पीछे नहीं हटता।

आपकी निजी जिंदगी का पाताल लोक क्या है?

दिन भर में समय न मिल पाना मेरा पाताल लोक बन जाता है। बीते लंबे समय से मैं काम के कारण काफी मसरूफ रहता हूं और ऐसे में जब मैं बिलकुल अकेला न होऊं, जब मुझे अपने लिए आधे घंटे का भी समय न मिले, तो वो मेरा पाताल लोक बन जाता है।

शाह बानो की लाइफ पर बेस्ड फिल्म में दिखेंगी यामी गौतम

मां बनने के बाद यामी गौतम एक बार फिर बड़े परदे पर वापसी करने जा रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... एक्ट्रेस, शाह बानो की लाइफ पर बेस्ड फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी। बता दें कि शाह बानो ने अपने पति से तलाक के बाद मेंटेनेंस पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी थी। यह केस 1985 में ट्रिपल तलाक, महिलाओं के अधिकार और मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़ा था। शाह बानो के पक्ष में आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला देशभर में सामाजिक और कानूनी चर्चा का विषय बन गया था। शाह बानो का ट्रिपल तलाक केस मामले में काफी योगदान रहा है। यामी गौतम इस फिल्म के जरिए दर्शकों को इसी केस की अहमियत समझाएगी।

पार्टी

रॉकिंग हाउस पार्टी के लिए ऐसे करें तैयारी

पब या क्लब में जाने के बजाय हाउस पार्टी ज्यादा मजेदार होती है। इसमें बस आप होते हैं और आपका गैंग, आप जैसा दिल चाहे म्यूजिक सुन सकते है और चाहे जितनी तेज आवाज में। जहां हाउस पार्टी बेहद रिफ्रेशिंग होती है वहीं इसकी प्लानिंग ऐसी होनी चाहिए कि हर कोई बढ़िया टाइम स्पेंड करे। यहां हैं रॉकिंग हाउस पार्टी के लिए कुछ टिप्स...

अलग-अलग मूड के हिसाब से तय करें प्लेलिस्ट

पार्टी को कामयाब बनाने के लिए म्यूजिक सबसे इंपोर्टेंट फैक्टर होता है। अगर लोगों को म्यूजिक पसंद आता है तो तुरंत उनका मूड बन जाएगा। इसलिए यह ध्यान रखें कि आपकी प्लेलिस्ट में पर्याप्त गाने हों जो भी अलग-अलग कैटेगरी के। इससे आपको पार्टी के मूड के हिसाब से प्लेलिस्ट चेंज करने में आसानी रहेगी। स्पीकर्स अच्छे रखें ताकि बढ़िया इफेक्ट मिल सके।

लिमिटेड लोगों को ही बुलाएं

आप जिनको बुलाना चाहते हैं उनकी गेस्ट लिस्ट बनाएं और यह लिस्ट अपने घर के स्पेस को ध्यान में रखते हुए बनाएं। किसी को ऐसी पार्टी पसंद नहीं आती जहां खड़े होने, बैठने या डांस करने की जगह न हो। इसलिए समझदार बनें और कुछ ही लोगों को पार्टी में बुलाएं। कई बार लोग अपने साथ किसी को ले आते हैं तो आप इस चीज के लिए भी तैयार रहें।

पहले से करें मेन्यू डिसाइड

जैसा हममें से ज्यादातर लोग ऐसा करते हैं, यह जरूर ध्यान रखें कि कहीं आपके गेस्ट्स को किसी चीज से एलर्जी तो नहीं। कई लोग ग्लूटेन, मीट, डेयरी वगैरह नहीं खाते। जंक फूड की जगह हेल्दी फूड प्रिफर करें।

एक पार्टी कॉकटेल रखें

भले ही आप अपनी पार्टी के लिए कुकिंग न करें लेकिन घर पर एक फन कॉकटेल जरूर बनाएं। देखें कि सबसे पसंद किया जाने वाला एल्कोहलिक कौन सा है, इसे कॉकटेल के बेस की तरह यूज करें। पार्टी के पहले एक-दो बार यह ड्रिंक ट्राई करके ले लें। अगर लोगों को यह पसंद आता है तो वे यह पार्टी जरूर याद रखेंगे।

कुछ फन गेम्स की तैयारी करें

यह सबसे जरूरी है कि हर कोई आपकी पार्टी को एंजॉय करे। अगर गेम्स के लिए कुछ प्रॉप्स की जरूरत पड़े तो पहले से ही प्लान कर लें। साथ ही गेम के विनर को छोटा गिफ्ट भी दें। इससे आप पार्टी में जान आ जाएगी। आप ट्रुथ ऐंड डेयर, डम्बशराज या ड्रिंकिंग गेम जैसे नेवर हैव आई एवर जैसे गेम्स रख सकती हैं।

घर पर कैसे करें हेयर स्पा

आजकल हर महिला अपने बालों को सुन्दर बनाना चाहती है। इसलिए बालों की सुंदरता को बनाये रखने के लिए कई तरीके अपनाती हैं। बालों को सुन्दर बनाने के लिए सिर्फ शैम्पू और कंडीशनर काफी नहीं है। बालों को सुन्दर बनाने के लिए उनके टेक्सचर और शाइनिंग के लिए हमें कुछ ज्यादा करना पड़ेगा। हेयर स्पा इसका सबसे अच्छा तरीका है, पर हेयर स्पा का खर्च हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं है। हम आपको बताएंगे के आप घर पर ही हेयर स्पा कैसे कर सकते हैं।

तेल की मालिश

तेल की मालिश करने से हमारे बालों की रूसी खत्म होती है। और बाल रूखे नहीं होते। तेल की मालिश करने से बालों को नमी मिलती है जो बालों को रूखा होने से रोकती है। पर तेल की मालिश के साथ ये भी जरूरी है के मालिश के लिए कौन-सा तेल इस्तेमाल किया जाये। बादाम और नारियल का तेल बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद है। तेल की मालिश करते वक्त ये ध्यान रखे की तेल बालों में एक-एक जड़ में अच्छे से लगे और इसी तरह बालों की 15 से 20 मिनट तक मालिश करें।

बालों को भाप

बालों को भाप देने से बालों की सुंदरता बढ़ती है। बालों को भाप देने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी को गर्म करें गर्म पानी में तौलिये को भिगो लें और गर्म पानी से भीगे तौलिये को अपने सिर पर रखें। बालों को भाप देने से बालों की जड़ों के छिद्र खुल जाते हैं और तेल एक-एक जड़ में अच्छे से जाता है। इसके अलावा अगर आपके पास भाप देने की मशीन है तो आप उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

बालों को करें शैम्पू

वैसे तो ये सब तरीकों में से सबसे आसान तरीका है। पर इससे बालों में शाइनिंग आती है। अब आप अपने बालों को शैम्पू से धो लें। पर बालों के लिए माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें।

कंडीशनर करें

बालों को शैम्पू करने के बाद बालों को हल्के-हल्के हाथों से पोंछ लें। और फिर बालों में कंडीशनर लगाएं। बालों में 3 से 4 मिनट कंडीशनर लगाने के बाद इसे धो लें।

हेयर मास्क

हेयर स्पा का आखरी स्टेप है हेयर मास्क। वैसे तो आप हेयर मास्क बाहर से भी खरीद सकते हैं। पर अगर आप चाहें तो घर में बने हुए नेचुरल हेयर मास्क का भी उपयोग कर सकते हैं जैसे अंडे का हेयर मास्क या नारियल और गुलाब का हेयर मास्क।

हेयर स्पा करने के लाभ

1. हेयर स्पा करने से बालों की रूसी खत्म होती है।
2. हेयर स्पा करने से बालों का झड़ना कम होता है।
3. हेयर स्पा करने से बाल सुन्दर होते हैं और उनमें शाइनिंग आती है।
4. हेयर स्पा करने से बालों को पूरा सम्पूर्ण पोषण मिलता है।

स्वास्थ्य

महिलाओं को हर उम्र में स्वस्थ रहना है तो लें आयरन और विटमिन

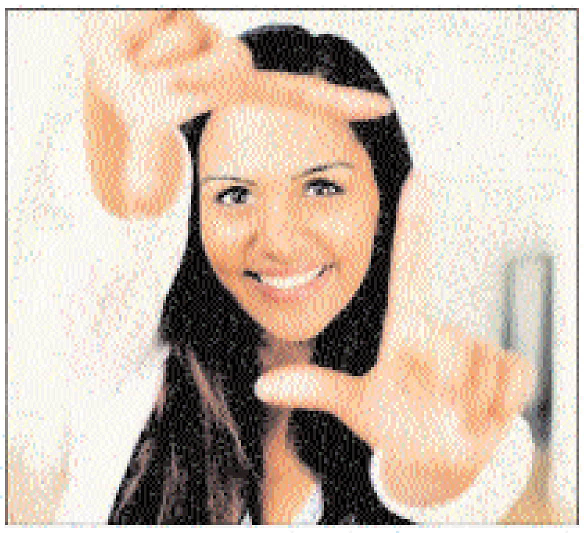

महिलाओं में जरूरत से ज्यादा होने वाले हार्मोनल बदलाव से उनके शरीर में अक्सर पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिन्हें दूर करना जरूरी होता है। ऐसा न होने पर महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा असर पड़ने लगता है। ऐसे में अगर महिलाएं हर उम्र में स्वस्थ रहना चाहती हैं तो उन्हें इन चीजों का सेवन करना चाहिए...

आयरन की कमी न हो

महिलाओं के शरीर में खून की कमी का प्रमुख कारण आयरन की कमी है। आयरन दिमाग और मांसपेशियों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है। 19-50 साल की महिलाओं में इस तत्व का अभाव ज्यादा होता है। खासकर बढ़ती उम्र और प्रेग्नेंसी के दौरान इस तत्व की खपत मांसपेशियों, हड्डियों व अहम कोशिकाओं द्वारा बढ़ जाती है। ऐसे में इसकी कमी से थकान, सिरदर्द, त्वचा की रंगत में बदलाव, भूख बढ़ना या घटना, हाथ-पैरों में दर्द, सांस लेने में दिक्कत होने लगती है।

विटमिन डी की कमी

ज्यादातर महिलाओं को दूध पीना पसंद नहीं होता। साथ ही वे घर से बाहर निकलते समय हाथों में दस्ताने व मुंह पर स्कार्फ बांध लेती हैं ऐसे में उन्हें विटमिन-डी नहीं मिलता। कैल्शियम को अब्जॉर्ब करने में विटमिन-डी अहम है। इसकी कमी से इम्यूनिटी घटने लगती है।

विटमिन-बी2 की कमी

आयरन की कमी से राइबोफ्लेविन (विटमिन-बी2) तत्व की कमी होना सामान्य है। यह ऐसा एंटि-ऑक्सिडेंट है जो पाचनतंत्र व त्वचा को सेहतमंद रखता है। युवावस्था व इससे ज्यादा उम्र वाली महिलाओं को रोज 1 मिलीग्राम राइबोफ्लेविन की जरूरत पड़ती है। इसकी कमी से आंखों में जलन व आसपास खुजली होती है। चेहरे, होंठ, मुंह के आसपास त्वचा फटने लगती है।

ओमेगा-थ्री फैटी ऐसिड

सेहतमंद हृदय से लेकर दिमाग के सही काम और स्वस्थ आंखों के लिए ओमेगा-3 फैटी ऐसिड जरूरी होता है। इसकी कमी से जोड़ों में दर्द, कॉलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना, तनाव, अस्थमा, कमजोर याददाश्त जैसी समस्याएं होने लगती हैं।

तन मन को रखना तरोताजा तो बदल दीजिए अपना डाइट चार्ट

मस्तिष्क में मौजूद सेरोटोनिन, डोपामाइन जैसे तत्वों का हमारे मूड से गहरा संबंध होता है और जिस डाइट से इन्हें बनने में मदद मिलती है, उनका सेवन हमारे मूड को तरोताजा रखता है.

आजकल किसी के मूड के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता. कोई भी एक पल में गुस्सा तो कभी भावुक हो जाता है और अक्सर तनाव की स्थिति बनती है, अगर आपका मूड भी कुछ ऐसा ही है तो आपको अपने डाइट पर ध्यान देने की जरूरत है. कई शोधों में यह बात अब प्रमाणित हो चुकी है कि विटामिन्स, मिनिरल्स आदि से भरपूर कुछ ऐसी डाइट हैं, जिनके सेवन से आपका मूड बेहतर होता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं.

अखरोट: अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसके सेवन से न सिर्फ तनाव दूर होता और आप अच्छा महसूस करते हैं, बल्कि नकारात्मकता दूर होती है और नींद भी अच्छी आती है.

शकरकंद: शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होता है जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे मूड अच्छा रहता है और नींद अच्छी आती है.

दही: दही कैल्शियम का प्रमुख स्रोत है जिसके सेवन से मूड तरोताजा हो जाता है. खासतौर पर महिलाओं के लिए इसका सेवन और भी फायदेमंद है, क्योंकि यह मासिक धर्म के दौरान उनके व्यवहार में आने वाली झुंझलाहट को कम करता है. यह मासिक धर्म के दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव और एस्ट्रोजेन- प्रोजेस्टेरोन के संतुलन को बनाए रखता है.

केला: केला जितना खाने में सुपाच्य है, उतना ही मूड को तरोताजा करने के लिए जरूरी है. इसमें कार्बोहाइड्रेट्स के अलावा पोटैशियम, विटामिन बी 6 और मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में होता है. रोज सुबह नाश्ते में केला खाने से दिन भर मूड अच्छा रहता है.

दुपट्टे को स्टाइल में कैरी कर बदलें लुक

भारतीय वेशभूषा में एक चीज आपको सबसे अलग दिखेगी, वह है दुपट्टा। दुपट्टा कभी मां का आंचल बनता है तो कभी प्रेमिका के प्यार का प्रतीक। दुपट्टा को लहंगे और साड़ी के अलावा जींस के साथ भी वियर किया जाने लगा है। आपको बता दें कि आप दुपट्टे को अलग-अलग तरह से इस्तेमाल कर भी अपना लुक बदल सकती हैं। कई बार तो यह भी देखा गया कि पूरा ड्रेस चाहे वह सलवार कमीज हो लहंगा वह बिलकुल सिंपल एंड प्लेन है मगर दुपट्टा अच्छा खासा वर्क करा हुआ है। आप चाहें तो दुपट्टे को कंधे पर एक तरफ कैरी कर सकती हैं।

इस तरह से आप सिर्फ अपने ड्रेस को ही नहीं बल्कि अपने फीगर को भी फ्लॉन्ट कर सकती हैं। दुपट्टे को चाहे तो आप दोनों शोल्डर्स पर कैरी कर सकती हैं। इसे प्लीट्स बना कर या फ्री स्टाइल में पहना जा सकता है। दुपट्टे का आधा हिस्सा आगे रख कर पीछे वाला हिस्सा अपने कम्फर्ट के हिसाब से लहंगे के साथ पिन अप भी किया जा सकता है। यदि आपका ड्रेस बहुत हैवी है तो दुपट्टे को गले में कैरी करें। दुपट्टे को चाहें तो कलाइयों पर भी कैरी किया जा सकता है। डीप नेक चोली के साथ ऑफ शोल्डर स्टाइल में दुपट्टा पेयर करें। दुपट्टे को डीप यू शेप देते हुए शोल्डर्स पर पिन अप करते हुए पीछे से फ्री छोड़ दें। इस स्टाइल को शिफॉन के साथ कैरी ना करें। इस स्टाइल में दुपट्टे को तभी कैरी करें जब उनका वर्क हैवी या कुछ डिफरेंट हो।

रेसिपी

चीज़वाले बैंगन

सामग्री

200 मिली ऑलिव ऑयल, 2 बड़े बैंगन गोल स्लाइसेज में कटे, स्वादानुसार नमक, 200 ग्राम आटा, 400 मिली टोमैटो सॉस, 300 ग्राम मोजारेला चीज़, 8 स्पून पारमेजान चीज़, 8 स्पून ब्रेडक्रम्स, बारीक, 2 स्पून पार्सले बारीक कटा, **टोमैटो सॉस के लिए:** 1 किलो टमाटर, 1 स्पून नमक, ½ कप तुलसी पत्ते, बारीक कटे, 1 स्पून काली मिर्च, ताजी पिसी हुई, 2 स्पून ऑलिव ऑयल, 2 स्पून लहसुन

विधि

टोमैटो सॉस बनाने के लिए: टमाटरों को थोड़ी देर उबलते पानी में डाल दें (ब्लांच करें)। अब इनके छिलके उतारकर छोटे टुकड़ों में काट लें और मिक्सर में ब्लेंड कर चिकना मिश्रण तैयार कर लें। धीमी आंच पर इसे तब तक पकाएं, जब तक कि यह गाढ़ा न हो जाए। नमक, तुलसी के पत्ते और काली मिर्च डाल दें। दूसरे पैन में ऑलिव ऑयल गर्म करें और इसमें लहसुन को सुनहरा होने तक भून लें। इसे टोमैटो सॉस के ऊपर डालें और फिर अच्छी तरह मिलाएं। **बैंगन पकाने के लिए:** एक पैन में ऑलिव ऑयल गर्म करें। बैंगन के टुकड़ों में नमक और आटा बुरक कर इसे पैन में सुनहरा होने तक भून लें। फिर पलट कर दूसरी तरफ भी भूनें। अतिरिक्त ऑलिव ऑयल निथार लें। पहले से तेल लगाकर रखे हुए गहरे बेकिंग पैन में टोमैटो सॉस, मोजारेला चीज़ व पारमेजान चीज़ की परत बिछाकर बैंगन की एक स्लाइस रखें। फिर सॉस व चीज़ की परत लगाकर दूसरी स्लाइस रखें और यही प्रक्रिया दोहराते जाएं। पार्सले व ब्रेडक्रम्स को मिलाकर बैंगन के सबसे ऊपरी हिस्से की परत बनाएं, गर्म ग्रिल में इसे तब तक बेक करें, जब तक कि इसकी ऊपरी परत सुनहरी न दिखने लगे और चीज़ के बुलबुले न बनने लगें। चीज़वाले बैंगन तैयार हैं।

देसी फ्राइड राइस

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 1/2 टेबलस्पून लहसुन का पेस्ट, 2 अंडे, 50ग्राम गाजर, कटा हुआ, 50 ग्राम पत्ता गोभी, कटी हुई, 50ग्राम फ्रेंच बीन्स, कटी हुई, 500 ग्राम पका हुआ चावल, 1 1/2 टेबलस्पून नमक, 30 मिली वेजिटेबल स्टॉक, 3 से 4 बड़े चिली?, 1 टेबलस्पून काली मिर्च पाउडर, स्प्रिंग अनियन, सजाने के लिए

विधि

पैन में तेल गर्म करें, लहसुन पेस्ट, अंडे, गाजर और पत्ता गोभी को भूनें। इसमें फ्रेंच बीन्स डालें। अंडे के पकने और सब्जियों के नर्म होने तक चलाते रहें। चावल डालें और अच्छी तरह मिलाएं। नमक, वेजिटेबल स्टॉक, चिलीज और काली मिर्च डालें। स्प्रिंग अनियन से सजाएं।

राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
05 मई, 2025

श्रीजी डेंटल हॉस्पिटल एण्ड इंप्लांट सेंटर का हुआ भव्य शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

कानोता(निसं.) आगरा रोड़ पर स्थित ग्रीन पार्क कॉलोनी में श्री जी डेंटल हॉस्पिटल और इंप्लांट सेंटर का रविवार को शुभारंभ किया गया। जिसमें संत प्रकाश दासजी महाराज और जमवारामगढ़ विधायक महेंद्रपाल मीना एवं आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। डॉ. शिव शर्मा और डॉ. अंकिता शर्मा ने बताया कि दांत के मरीजों को दूर जाकर अपना उपचार करवाना पड़ता था जिससे लोगों को काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता था लेकिन अब नजदीक ही हॉस्पिटल खुलने से समस्या का समाधान होगा। इस दौरान कैलाश दुर्गापुरा,महेंद्र जोन,जगदीश मेघा फैशन,लोकेश मीणा,राहौरी सरपंच बदाम देवी, सीताराम बोहरा, रामकिशोर शर्मा, डॉ संतोष मोहन शर्मा, डॉ. नरेन्द्र भटेरी, डॉ. आशीष शर्मा, डॉ. विष्णु शर्मा, डॉ. भरत शर्मा, डॉ. रामचरण शर्मा, मुकेश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व राज्यमंत्री विकेश खोलिया नें मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक से की न्याय की मांग

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.) अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राज्यमंत्री विकेश खोलिया ने जोधपुर में दलित परिवार की बेटी की मौत को लेकर न्याय की मांग की है। उन्होंने जोधपुर पुलिस कमिश्नर को भेजे मेल में लिखा कि पत्र-पत्रिका, न्यूज चैनल और सोशल मीडिया पर आई जानकारी के अनुसार जटिया-रैगर समाज की महिला, उसकी बेटी और बेटे के साथ पड़ोसी शंकरलाल विश्नोई के नामजद परिवार ने मारपीट की गई। और बेटी के साथ लज्जा भंग जैसी घटना हुई। पुलिस की लापरवाही से आरोपियों के हौसले बढ़े। इससे पीड़ित परिवार की मान-मर्यादा को ठेस पहुंची। इसी कारण बेटी ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। खोलिया ने कहा कि अगर पुलिस समय पर कार्रवाई करती तो पढ़ी-लिखी बेटी की जान नहीं जाती। आज पूरा अनुसूचित समाज एकजुट होकर प्रशासन से न्याय की मांग कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो राजस्थान का पूरा अनुसूचित समाज जोधपुर से पलायन कर सकता है। इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। खोलिया ने मांग की कि नामजद आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। थाना पुलिस पर भी कार्रवाई हो। पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी मिले। उन्होंने यह मांग मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को भी भेजी है।

जयपुर में भीषण सड़क हादसा नीट एग्जाम देने जा रहे दो छात्रों सहित तीन की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. हादसा बस्सी ओवर ब्रिज पर हुआ, जब एक ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी. बाइक पर सवार दो छात्राएं और एक युवक इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए. तीनों को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से बस्सी उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतक छात्राओं की पहचान प्रिया और खुशी के रूप में हुई जो दीप पूरा गांव की रहने वाली थी बताया जा रहा है कि दोनों छात्राएं नीट परीक्षा देने जा रही थी और रास्ते में युवक से लिफ्ट मांगी थी हादसे में मृत्तक युवक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है घटना की सूचना मिलते ही बस्सी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस ने ट्रक को जब्त लिया वहीं पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी है जो घटना के बाद मौके से फरार हो गया हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है

रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव लोढ़सर में चल रही रात्रीकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन भाजपा नेता रवि आर्य की उपस्थिति में हुआ। जिला परिषद सदस्य नौरंग सीलू ने बताया कि प्रतियोगिता में बतीस टीमों ने भाग लिया, जिसमें खिलाडियो ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में किरड़ोली की टीम ने लोढ़सर की टीम को पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। प्रतियोगिता के समापन समारोह में जिला प्रमुख प्रतिनिधि रवि आर्य, जिला परिषद सदस्य नौरंग सीलू, पंचायत समिति सदस्य जगदीश ढिढारिया, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष महावीर गोदारा, दामोदर शर्मा, महावीर जाखड़, ओमप्रकाश टाक, प्रकाश गोदारा, संवरमल फौजी, संदीप भंवरिया व भागीरथ नोजल मंचासीन रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर सभी अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना की और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने की इस पहल को सराहनीय बताया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के सदस्य लालचंद, अशोकसिंह राठौड़, मुकेश राव, रोहित सिसोदिया, सत्यवीरसिंह, भागीरथ कलवा, नेमीचंद गोदारा, शंकर बुरडक़, सुरेश और मनोज सिलू ने किया। समारोह के अंत में विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

जिला कलक्टर का बारिश में भी तूफानी दौरा: अस्पतालों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। तेज बारिश और आंधी के बावजूद जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने शनिवार शाम जिले के विभिन्न अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। उनके इस दौरे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ढिगाल, मुकुंदगढ़, मंडावा, नुआ एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) मांडासी शामिल रहे।

मौसम के विपरीत हालात में भी सक्रियता

बारिश और आंधी के बावजूद जिला कलक्टर ने न केवल चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया बल्कि मौसम के प्रभाव का भी मौके पर जाकर जायजा लिया। यह दौरा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति को जानने और उन्हें और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया। निरीक्षण के दौरान कलक्टर मीणा ने महिला और पुरुष वार्ड, लेबर रूम, हीट स्ट्रोक रूम आदि का अवलोकन किया। उन्होंने अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता, ओपीडी व आईपीडी में मरीजों की संख्या और सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नियमित टीकाकरण, भर्ती रोगियों को समय पर उचित उपचार, साफ-सफाई की व्यवस्था और चिकित्सा उपकरणों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, एंबुलेंस स्टाफ की नियमित प्रशिक्षण व्यवस्था करने, आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) सामग्री को प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने और मरीजों को उत्कृष्ठ सेवाएं प्रदान करने के निर्देश भी दिए। मुकुंदगढ़ सीएचसी में दीवार निर्माण की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने निर्माण कार्य शुरू करवाने के आदेश दिए। इसके साथ ही अस्पताल भवन की छतों, दरारों व मरम्मत की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी चिकित्सकों को मुख्यालय पर ही निवास करने के निर्देश दिए ताकि आपात स्थिति में तत्काल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस दौरान बीडीके अस्पताल के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ व पीएमओ डॉ जितेन्द्र भाम्बू, डिप्टी सीएमएचओ परिवार कल्याण डॉ अभिषेक सिंह, मंडावा सीएससी प्रभारी डॉ विनोद राहड़, बीसीएमओ डॉ संजीव कुल्हारी, मुकुंदगढ़ सीएससी प्रभारी डॉ वरुण वर्मा, नूआ सीएससी प्रभारी डॉ निशत खान मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का मंडावा में अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा / झुंझुनूं(निस)। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ झुंझुनूं आए, उनका मंडावा कस्बे की सीमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राठौड़ का साफा, पार्टी दुपट्टा, माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया। भाजपा जिला प्रवक्ता कमल कांत शर्मा ने बताया कि मदन राठौड़ मोरवा पिलानी में एक ऑयल मील के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए झुंझुनूं आए थे। मंडावा कस्बे की जिले की सीमा पर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका से स्वागत किया। इस अवसर पर सीकर जिला प्रभारी दिनेश धाबाई, भाजपा राष्ट्रीय परिषद प्रतिनिधि विश्वंभर पूनिया, जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढुकिया, झुंझुनूं नगर मंडल अध्यक्ष कमल कांत शर्मा, संदीप शर्मा, मंडावा मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, कैलाश शर्मा, ललित जोशी, जय प्रकाश चौधरी, श्रवण कुमार सैनी, बाबूलाल सैनी, संदीप परिहार, संजय परिहार, सचिन तुंवाल, सत्यनारायण शर्मा, मनोज नरेड़ा, अभिषेक सैनी, ज्ञानचंद कुमावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ के झुंझुनूं आगमन पर मंडावा मोड़ पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष कमल कांत शर्मा और स्वागत कार्यक्रम संयोजक महेश जीनगर के नेतृत्व में भी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें पुष्पमाला और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढुकिया, विश्वंभर पूनिया, सोशल मीडिया जिला संयोजक चंद्र प्रकाश शुक्ला, अरुणा सिहाग, संजय मोरवाल, विजय शंकर जोशी, विजय कुमार सैनी, रामनिवास सैनी, अरुण कस्वां, पंकज टेलर, ललित जोशी, श्री राम सैनी, श्रवण कुमार सैनी, ज्योति प्रकाश शर्मा, जेपी चौधरी, बाबूलाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लुमास के युवाओं ने गांव की साफ सफाई के लिए ली शपथ

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मंडावा लुमास ग्राम में रविवार को साफ सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गांव की साफ सफाई करने के लिए युवा शक्ति ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। गांव की उनती के लिए श्रमदान किया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमेरिका प्रवासी कमलेश कुमार साईं रहें। विशिष्ट अतिथि पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा, समाज सेवी प्रकाश शर्मा, समाज सेवी अजीतसिंह, अरविंद शेखावत, शेखावत, परवीन साईं, सुनील शेखावत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व बीएफ सावर मल गोदारा ने की। इस अवसर पर अमेरिका प्रवासी कमलेश साईं ने बताया कि अपने ग्राम को स्वस्थ रखने के लिए युवा पीढ़ी को तन मन धन से साफ सफाई कार्यक्रम आयोजित करना होगा जिससे अपने ग्राम में गंदगी नहीं होगी। गंदगी नहीं होगी तो ग्राम स्वस्थ रहेगा। ग्राम स्वस्थ रहेगा तो युवा पीढ़ी आगे बढ़ेगी, इसलिए हम सभी खुद से ही शुरुआत करेंगे। इस साफ सफाई कार्यक्रम में कुल 70 युवाओं ने भाग लिया। 70 युवाओं को अमेरिका प्रवासी कमलेश कुमार साईं की ओर से टी शर्ट भेट की गई और भविष्य में टीशर्ट पहनकर गांव की साफ सफाई करने के लिए प्रेरित किया। इस पवित्र कार्य में बुला सिंह, रवि शेखावत, उत्तम सिंह विकाश गोदारा, ललित, राजेश साईं, सचिन साईं, मनीष, बजरंग शेखावत, धोनी शर्मा, आधी युवाओं ओर ग्रामीणों का आपार सहयोग रहा।

सडक़ हादसे में महिला की मौत, बालिका सहित तीन घायल

सुजानगढ़(नि.सं.)। क्षेत्र के गांव कोडासार जाटान के पास हुई एक सडक़ दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई, वहीं एक बालिका सहित तीन जने घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कोडासर जाटान के पास हुए सडक़ हादसे में मखन पत्नी रामेश्वर उम्र 25 वर्ष, सोमा पुत्री रामेश्वर उम्र चार वर्ष, राधिका पत्नी गोविन्द उम्र 25 वर्ष तथा शंकर पुत्र हनुमानाराम उम्र 35 वर्ष घायल हो गए। जिन्हे निजी वाहन से सुजानगढ़ के राजकीय बगडिय़ा उप जिला अस्पताल लाया गया। जहां टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार, नवरतन बिजारणिया व अन्य ने घायलों को इमरजेंसी वार्ड में पहुंचाया। जहां पर डॉ.विवेक सोनी, डॉ.रामरतन बिस्सू ने घायलों का उपचार किया। उपचार के दौरान मखन पत्नी रामेश्वर की मौत हो गई। जिसके शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। वहीं घायल राधिका व शंकर को हायर सेंटर रैफर किया गया। हादसे की सूचना पर थाने से हैड कांस्टेबल रामलाल ने अस्पताल घटना की जानकारी ली। मृतका के पति की ओर से लिखित में कानूनी कार्यवाही व पोस्टमार्टम नहीं करवाने का देने पर बिना पोस्टमार्टम करवाए शव का सुपुर्द कर दिया गया।

मण्डावा क्षेत्र के कांग्रेस संगठन की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं स्थित विद्यार्थी भवन में रविवार को मण्डावा विधान सभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओ की बैठक हुई। कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष समसाद खान ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस आलाकमान की ओर से नियुक्त किए विधानसभा क्षेत्र मण्डावा कांग्रेस प्रभारी भरत यादव के सानिध्य में विधानसभा क्षेत्र मण्डावा के दोनों कांग्रेस ब्लॉक मण्डावा, अलसीसर व इनके अंतर्गत आने वाले सभी नगर मण्डल व ग्रामीण मण्डलों के अधयक्ष व संगठन के सभी पदाधिकारियों की मीटिंग का आयोजन किया गया। संगठन को मजबूत बनाने व आगामी पंचायत राज चुनाव में पार्टी का प्रर्दशन बेहतर हो इसी उद्देश्य के रूप में आयोजित मीटिंग को सबोधित करते हुए प्रभारी ने बताया कि हमारे राष्ट्रीय नेता व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिका अर्जुन खड़गे व प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा संगठन ने जान फूकने व बेहतर कार्यकर्ताओं को तवज्जों देने में लगें। इसी कारण हर जगह पार्टी संगठनात्मक मीटिंग कर रहीं हैं। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र मण्डावा के सैकडों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें। सभी ने मण्डावा विधायक रीटा चौधरी के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए संगठन को ओर मजबूत बनाने का आश्वासन प्रभारी को दिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत लालगढ़,

पंचायत समिति बीदासर (चूरू)

क्रमांक -G.P.LALGARH /2025-26/E-TENDER/21-27 दिनांक- 26.04-2025

संशोधित ई-निविदा सूचना संख्या 01/ 2025-26

ग्राम पंचायत लालगढ़ में वर्ष 2025-26 के लिये महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री ₹ य हेतु ई-निविदायें आंमत्रित की जाती है । निविदा से संबंधित अन्य विवरण तथा समस्त निविदा शर्तें www.eproc.rajasthan.gov.in पर www.sppp.rajasthan.gov.in पर NIBNo.- ZCR2526A0045 UBN No. - ZC2526WSOB00130 देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत लालगढ़
पं. स. बीदासर (चूरू)

प्रशासक
ग्राम पंचायत लालगढ़
पं. स. बीदासर (चूरू)

भाई बहन ने की देहदान की घोषणा

जयपुर टाइम्स

सीकर(निस)। एस के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सीकर के शरीर रचना विभाग में शिक्षा विभाग से रिटायर्ड अध्यापक रामकुमार धायल व उनकी बहन श्रवणी देवी की ओर से रविवार को अपने मरणोपरांत देहदान की घोषणा की गई। देहदानी, अंगदानी मोटिवेटर माया खीचड़ (संयुक्त सचिव हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य सीकर) ने बताया कि दोनों भाई बहन एक साथ देहदान करने के इच्छुक थे, जिसके बाद यह संयोग बना और कॉलेज प्रोफेसर डॉ अशोक कुमार व डॉ सरयू मैडम को अपना देहदान का फार्म सुपुर्द किया।

सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का समापन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे के वार्ड 18 स्थित पटवार-घर श्रीबालाजी मन्दिर प्रांगण में चल रही 7 दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का रविवार को समापन हुआ। भागवत कथा में कथा वाचक वंदावन धाम की संत देवी रजनीश्वरी मिश्रा ने चार वेद, पुराण, गीता व श्रीमद भागवत महापुराण की व्याख्या, प्रभुपाद का वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के वात्सल्य, प्रेम सहित उनकी लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया। कथा के अंतिम दिन भगवान रासलीला, मथुरा गमन, कंस वध, कुबजा उद्धार, रुक्मणी विवाह, शिशुपाल वध व सुदामा चरित्र का वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में डुबो दिया। मिश्रा ने सुंदर समाज निर्माण के लिए गीता के अनुरूप आचरण करने पर जो दिया। समाज में कुछ लोग ही अच्छे कर्मों से सदैव चिर स्मरणीय होते है। भागवत कथा में आसपास के गांव सहित दूरदराज से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

मानवाधिकार(एडीसीए) सहयोग संघ की कार्यकारिणी का विस्तार

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मानवाधिकार एडीसीऐ संघ भारत की राष्ट्रीय कोर कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएस चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव राकेश कुमार तंवर, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नारी शक्ति भारती स्वामी, प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश बागला, प्रदेश महासचिव प्रीतम शर्मा व प्रदेश मंत्री जितेंद्र शर्मा मण्डावा के निर्णय अनुसार जिला अध्यक्ष संतु सिंह व जिला महासचिव संजय सैनी निराधनू ने आपसी मंत्रणा के बाद संदीप कुमार बीदासर को मण्डावा विधानसभा अध्यक्ष, रोहित कुमार खारड़िया बिसाऊ को मण्डावा विधानसभा उपाध्यक्ष, सत्यनारायण मिश्रा को मण्डावा तहसील अध्यक्ष व शंकर मिश्रा को मण्डावा तहसील उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्ति दी है। नियुक्तियां देने के बाद प्रदेश मंत्री जितेंद्र शर्मा मण्डावा ने बताया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संघ के उद्देश्यो व कर्तव्यों को आमजन तक पहुँचाने का प्रयास करना है व कोर कमेटी की ओर से जो भी जिम्मेदारी दी गई है उसे पूर्ण ईमानदारी से निभाना है। साथ ही संघ के सभी पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

शोक सभा से लौट रही पिकअप पलटी, 1 की मौत, 26 घायल

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के क्षेत्र में साहवा से शोक सभा से लौट रही पिकअप गाड़ी गांव झाड़सर काधलान के पास अनियंत्रित होकर पलटी गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, वहीं 26 घायल हो गए। सभी घायलों को तारानगर के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां से 5 गंभीर घायलो को हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया। हादसे के बाद अफरा तफरी का माहौल हो गया। इधर सूचना पाकर तारानगर और साहवा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को तारानगर अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है वहीं घायलों का ईलाज जारी हैं।

बिना पुलिस सत्यापन वाले कार्मिकों पर होगी कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के निर्देशनुसार तारानगर पुलिस ने विभिन्न जगहों पर दबिश देकर चेक किया। थाने एएसआई सुमेरसिह मीणा ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशन में रविवार को कस्बे में होस्टल, पीजी, ढाबे, सराये, धर्मशाला, ईंट भट्ठों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को चेक किया गया और सभी को पुलिस सत्यापन के लिए पाबंद किया गया। मीणा ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश है कि इन सबके प्रबंधकों की ओर से इनका पुलिस सत्यापन नहीं करवाया जाता है। ऐसे आसामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्तियों की ओर से कानून व्यवस्था, सामाजिक सोहार्द बिगाड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस मौके पर मीणा के साथ कॉंस्टेबल ओमप्रकाश, प्रदीप व श्रवण आदि साथ रहे।

हजारों श्रद्धालुओं ने किए भेरुजी महाराज के दर्शन

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम मालासी में रविवार को भेरुजी महाराज का 1 दिन का मेला आयोजित हुआ, जिसमें रात्रि में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भेरुजी महाराज के धोक लगाई। दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। गर्मी को देखते हुए मंदिर के पुजारी हिम्मत सिंह ने बताया कि जगह-जगह ठंडे पानी की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं के रुकने के लिए जगह-जगह छोटे-छोटे टेंट लगाए गए हैं जिसकी छांव में श्रद्धालुओ को आराम से खाने पीने की व्यवस्था की जा सके। श्रद्धालुओं ने भेरुजी महाराज के प्रसाद चढ़कर अपने बच्चों के जडुले उतार कर अपने बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य की मनोकामना की।

माता और गोमाता की सेवा करने वाला परिवार सभी संकटों से रहता है मुक्त

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के बुकनसर छोटा के बाबा श्रीहरिहर गोशाला प्रांगण में आयोजित श्रीमद देवी भागवत कथा के सातवें दिन की कथा में व्यास पीठ पर विराजमान दंडी स्वामी शिवेन्द्राश्रमजी महाराज ने देवी की 108 शक्तिपीठो के बारे में विस्तार से बताया कि मां भगवती के शक्ति पीठ के स्थान की जानकारी देते मां भगवती की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मां भगवती के पूर्ण शरणागति होकर माता की आराधना करता है तो मां उसकी सकल मनोरथ पूर्ण करती है। उन्होंने कहा कि माता ने श्रृष्टि की रचना की है और अपने ही एक रुप में जन्म देने वाली मां हमें दी है। यदि मानव उस जन्म देने वाली मां की सेवा करता है तो उसका यह जीवन सफल हो जाएगा। वहीं दूसरी हमारी गो माता है जिस परिवार में गाय की सेवा होती है वह परिवार संकटों से मुक्त होता है। कथा में सत्यनारायण जोशी, ब्रह्मानंद जोशी, हीरालाल जोशी, अशोक कुमार जोशी, बजरंग जोशी, भवानीसिंह, प्रभुसिंह, हेमंत डांगी, राजेश जोशी, राजू पांडिया, सहीराम पारीक, मदन पारीक, जुगल किशोर पारीक सहित अनेक गांवों से आए सैकडों महिलाएं व पुरुष आदि ने कथा का श्रवण किया।

गीता के सिद्धांत ही तय करेंगे देश और दुनिया की दिशाः सिंघानिया

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय भास्कर भवन में प्रत्येक रविवार को चलने वाली गीता क्लासेज में बच्चों ने गीता सीखने के साथ-साथ लिखना भी शुरू कर दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संजय सिंघानिया ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान बच्चों के लिखित गीता के श्लोकों की जांच की गई। आचार्य जनार्दन ने बच्चों को 12 और 15 अध्याय के पाठ का अध्ययन करवाया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संजय सिंघानिया ने कहा कि देश और दुनिया की दिशा गीता के सिद्धांत ही तय करेंगे। इस अवसर पर माधुरी शर्मा, मीनाक्षी चोटिया, पूनम शर्मा, दिव्या शर्मा, रेनू बजाज ने बच्चों को पांच श्लोकों का अभ्यास करवाया। प्रमोद गौड़, विशाल सिंघानिया ने सहयोगी भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन मोहित सिंघानिया ने किया।

प्रेम विवाह को लेकर लड़के के घर आग लगाई, 14 लोग गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर से 30 किलोमीटर दूर गांव देराजसर में शनिवार रात्रि को प्रेम विवाह की बात को लेकर लड़के के चाचा के घर में तोड़फोड़ कर आग लगाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर अस्थाई रूप से चौकी बनाकर पुलिस जाप्ता तैनात कर दिया गया है। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने रविवार को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बड़ी संख्या में एकत्रित ग्रामीणों ने प्रेमी लड़के के चाचा के घर पर तोड़फोड़ कर और उस पर पेट्रोल छीड़ककर आग के हवाले कर दिया। मामले की जानकारी जैसे ही पुलिस को लगी, पुलिस ने तुरंत मौके के लिए दमकल को रवाना किया और पुलिस जाप्ता को रवाना किया। थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई और डीएसपी रामेश्वर लाल भी देराजसर गांव पहुंचे। दमकल की सहायता से आग पर काबू पाया गया। घटना की कवरेज करने पहुंचे

मीडिया कर्मियों के साथ भी ग्रामीणों ने अभद्र व्यवहार किया और घटनास्थल तक जाने से रोकने का प्रयास भी किया। जानकारी के अनुसार देरासर गांव के एक युवक और युवती को आपस में प्रेम विवाह करना महंगा पड़ गया। 7 अप्रैल को देराजसर निवासी अनुराधा सुथार व संदीप आचार्य दोनों गांव से भाग गए और भागकर शादी रचा ली। लड़की के परिजनों ने 8 अप्रैल को सरदारशहर पुलिस थाने में गुमशुदगी दर्ज करवा दी। 22 अप्रैल को अनुराधा सुथार और संदीप आचार्य चुरु एसपी कार्यालय पहुंचे और सुरक्षा की गुहार लगाई। एसपी कार्यालय पहुंचे अनुराधा सुथार और संदीप आचार्य ने बताया कि वह पिछले 2 सालों से आपस में बात करते हैं और अब उन्होंने अपनी मर्जी से शादी की है। लेकिन लड़के और लड़की की जाति अलग-अलग होने के कारण लड़की के परिजन लगातार उन्हें धमकियां दे रहे हैं। इसके लिए उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। इसके बाद पुलिस ने दोनों के बयान दर्ज किए। इधर देराजसर गांव में लड़की के परिजनों और ग्रामीणों को दोनों का यह प्यार रास नहीं आया और उन्होंने गांव में एक पंचायत बुलाई। पंचायत में लड़के के परिजनों को भी बुलाया गया। पंचायत में यह फैसला हुआ कि आने वाले सात दिनों में लड़के के परिजन लड़के और लड़की को ढूंढकर गांव में ले आएंगे। लेकिन 7 दिन बीत जाने के बाद भी जब लड़के और लड़की का कोई पता नहीं चला तो आक्रोशित लड़की के घरवालों और ग्रामीणों ने लड़के के चाचा के घर पर जमकर तोड़फोड़ की और पेट्रोल छीड़ककर घर को आग के हवाले कर दिया। लड़के के परिजनों का कहना है कि हमें नहीं पता है कि लड़का और लड़की कहां है। लड़के के परिजनों का भी कहना है कि वह भी दोनों के इस विवाह से खुश नहीं है और वह भी लड़के और लड़की को घर पर रखने को तैयार नहीं है। लड़के के परिजनों का आरोप है कि हमनें लड़की के परिजनों और ग्रामीणों के कहे अनुसार किया है। लेकिन उसके बावजूद ग्रामीणों ने अचानक हमारे घर पर तोड़फोड़ कर आग लगा दी। वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है और पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी हुई है। वर्तमान समय में पढ़े-लिखे लड़के और लड़कियां आपस में अपने मनपसंद के जीवनसाथी से शादी करना पसंद करते हैं। बड़े शहरों में तो यह आम बात है। लेकिन आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के मामलों को गलत माना जाता है। लड़की और लड़के के परिजन अपनी मर्जी से उनकी शादी करना चाहते हैं। लेकिन बदलते वक्त के साथ लड़की और लड़के भागकर शादी कर लेते हैं जो उनके परिजनों को रास नहीं आता है। थानाधिकारी ने बताया कि मौके पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है और मौके पर स्थिति नियंत्रण में है। मामले को पुलिस पूरी तरह अलर्ट हैं।

सर्वसमाज के लोगों ने मनाया चूरू का स्थापना दिवस

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय बड़े मंदिर में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों व सभी वर्गों के लोगों ने रविवार को चूरू का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया। इस दौरान संस्थापक चूहरू जाट की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विनोद ओझा ने कहा कि चूहरू ने पहले ढ़ाणी बनाई फिर उसका नाम कालेरा बास हुआ और सन् 1620 में शहर का नाम चूहरू के नाम पर चूरू हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप जिला प्रमुख महेन्द्र न्योल ने कहा कि द इंपीरियल गजेटियर में 1908 में लिखा है कि चूहरू जाट ने 1620 में चूरू को बसाया था। चूरू ऐतिहासिक हवेलियों वाला शहर है, इसको पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दलीप सरावग ने चूरू संस्थापक चूहरू जाट को याद करते हुए कहा कि मुरलीधर सारस्वत ने चूरू के इतिहास में लिखा है, कि चूरू कम से कम छः सौ -सात सौ वर्ष पुराना है। चूरु को बसाने वाला चुहरू या चूड़ ही था। पूरी तरह आबाद होने से पहले यह स्थान चूड़ की ढ़ाणी के नाम से ही जाना जाता था। चूड़ जाट था। यह कालेर गौत्र का था। उसके पास अपार पशु धन था। वह मूलतः नागौर का निवासी था, उसका विवाह खासोली के एक जाट परिवार में हुआ था। शादी के थोड़े दिनों बाद ही वह नागौर छोड़कर खासोली आया और खासोली से यहां अपनी ढ़ाणी बसाई। उन्होंने बताया कि चूरू के श्रेष्ठ जनों ने शहर को आबाद किया है, बिड़ला, बागला, गोयनका, लोहिया, मड़दा, खेमका, पारख

वैश्यों ने शहर में शिक्षा के लिए संस्थान बनाकर दिए तो भरतीया ने शहर को अस्पताल की सौगात दी। स्वामी गोपालदास ने चूरू में जन जागृति, समाज सेवा और स्वतंत्रता की अलख जगाई। यति श्री ऋद्धकरण महान् आयुर्वेदाचार्य हुए हैं। संत भानीनाथ ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य किया। चूरू के जयदयाल गोयनका ने ही गीता प्रेस गोरखपुर की स्थापना की। विपश्यना साधना के संस्थापक सत्यनारायण गोयनका भी चूरू के सपूत हैं। महान गीतकार भरत व्यास, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देवेन्द्र झाझडिया व कृष्णा पूनिया भी चूरू के ही हैं। भाजपा नेता रवि दाधीच ने बताया कि चूरू का इतिहास बहुत सुनहरा है हमें मिलकर इसे सहेजने का कार्य करना होगा। नायब सूबेदार विनोद शर्मा ने चूरू संस्थापक की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव रखा। जिसे सर्वसम्मति से पारित करते हुए विनोद ओझा के नेतृत्व में प्रतिमा निर्माण कमेटी का गठन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुमेर सिंह स्वामी व विमला शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर गोपीचंद शर्मा, सत्यनारायण व्यास, कपिल चंदेल, प्रमोद शर्मा, गौरव, योगेश गौड, प्रेमकुमार बगड़िया, महेश मिश्रा, सूरज कुमार, किशन किरोड़ीवाल, कैलाश पारीक, पवन खारड़िया, भानूप्रकाश, सोना देवी, गीता देवी, छापा देवी सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग उपस्थित रहे। मंच के जिलाध्यक्ष सलीम खान ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विनोद राठी ने किया।

विराट शास्त्रीय संगीत संध्या 11 मई को

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। सालासर बालाजी धाम में बाबूलाल पुजारी (चेयरमेन), अजीत व प्रमेन्द्र पुजारी के सौजन्य से 11 मई, रविवार को सालासर के पंडित पार्किंग स्थल पर रात्रि 10 बजे से विराट शास्त्रीय संगीत संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वरिष्ठ संगीत प्रेमी महावीर प्रसाद पुजारी व कार्यक्रम संयोजक गिरधर शर्मा ने बताया कि इस सांगीतिक अनुष्ठान में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कथक गुरु पंडित जगदीश गंगानी के संयोजन में कथक दर्शन चेरिटेबल ट्रस्ट बड़ोदरा के 22 दलीय कलाकारों की ओर से कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति सहित मुंबई की शास्त्रीय गायिका गौरी पठारे की ओर से प्रस्तुत शास्त्रीय गायन का कार्यक्रम आयोजित होगा। पुजारी परिवार ने अधिकाधिक संख्या में संगीत रसिकों को इस आयोजन का आनंद प्राप्त करने की अपील की है।

राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के ब्लॉक अध्यक्ष बने सोनाराम पटीर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। बीदासर की नव कार्यकारिणी का गठन पी.एम.श्री लक्ष्मीनारायण तापड़िया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सांडवा में पर्यवेक्षक जिला उपाध्यक्ष सतीश भाटी व चुनाव अधिकारी प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र की देखरेख व मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। नव कार्यकारिणी में अध्यक्ष सोनाराम पटीर, सरंक्षक हंसराज मौर्य, सभा अध्यक्ष हनुमाना राम नायक, मंत्री मनोज राणा, कोषाध्यक्ष बनाराम बोढाणा, उपाध्यक्ष देरामाराम, मीडिया प्रभारी आशुराम, शारीरिक शिक्षक प्रतिनिधि मामराज, प्रबोधक प्रतिनिधि देबू राम, उपसभा अध्यक्ष रामकुमार, संविदा प्रतिनिधि ऋषि राज, उप मिडिया प्रभारी जसवंत सिंह, माध्यमिक शिक्षा प्रतिनिधि रामकुमार नवल आदि का चयन सर्वसम्मति व ध्वनिमत से किया गया। कार्यकारिणी के गठन के लिए नोरंगलाल, मन्नीराम, ईश्वर राम बोढाणा, कैलाश चन्द्र मीणा आदि उपस्थित रहे। पूर्व अध्यक्ष रामकुमार ने समस्त आय और व्यय का लेखाजोखा व दस्तावेज सदन के समक्ष रखा एवं सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने आय व्यय के लेखाजोखा को स्वीकार कर निवर्तमान कार्यकारिणी के कार्यों की प्रसंशा कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पूर्व सभाध्यक्ष हनुमाना राम ने वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी के गठन की बात कही। कार्यक्रम का संचालन रामकुमार युजिनिया ने किया।

लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी बिसाऊ के 6 शिक्षक सम्मानित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। खुशालदास यूनिवर्सिटी हनुमानगढ़ की ओर से आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम में लक्ष्मीपत सिंघानिया एकेडमी बिसाऊ के छह शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। प्राचार्य दीपक पुरोहित ने बताया कि चूरू में आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम में विद्यालय के गौरव शर्मा, विक्रम सिंह शेखावत, जितेंद्र कुमार शर्मा, कोकिला शर्मा और मुकेश भार्गव सहित कुल

छह शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चूरू के वर्तमान विधायक हरलाल सारण, चूरू पुलिस अधीक्षक विधायक जय यादव व जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण कर विद्यार्थियों का बढ़ाया हौसला, पुरस्कार पाकर विद्यार्थियों के खिले चेहरे

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के श्री आदर्श क्रिएटिव स्कूल में रविवार को आदर्श लिटिल चैंप ओलंपियाड का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें एक लाख अट्ठाईस हजार रुपए के पुरस्कार वितरित किए गए। आदर्श के रजत जयंती वर्ष के तहत आयोजित इस समारोह में पुरातन विद्यार्थियों डॉ मामराज सारण, अमेरिका की मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत आईआईटीयन नीरज शर्मा, एयरफोर्स में कार्यरत मोहित डिडवानिया, चार्टेड एकाउंटेंट परमानंद प्रजापत, प्रीतम स्वामी, जूनियर एकाउंटेंट, बैंकिंग सेवा में चयनित मुस्कान पारीक के हाथों कैटेगेरीवाइज प्रथम रैंक वाले विजेता माधवी जांगिड़, प्रिंस स्वामी, दिलीप कुमार, अनिरुद्ध पारीक, पीयूष, श्रेष्ठ शर्मा को 3100, 3100 रुपए, द्वितीय रैंक वाले प्रतिभागी यक्षत्रा, ऋषभ सिंह, संजय सिंह, प्रिया, केशव, नवीन जांगिड़ को 2100, 2100 रूपये, तृतीय

से पांचवें स्थान वाले प्रतिभागी अनुज पारीक, निशान पूनियां, ललित सुथार, एकांक्षी शर्मा, कृतिक, अंकित गोयल, अंकित कुमार, गायत्री, भव्य तिवारी, योगेंद्र सिंह, विरत पारीक, पुनीता मॉयल, संचल भोजक, जिनेश, शिवांशी, माधव, परीक्षित, हरित, विशाल, रोहिताश सिद्ध, रविन्द्र सिंह, देवराज सिंह, दीनदयाल रोलन, विकाश नाथ, विवेक रॉयल, दीक्षिता प्रजापत, कृतिक, वरुण सेठिया को 1100, 1100 रुपए, महासंग्राम में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अंकिता चौधरी, वाणी पारीक, चित्रा सैनी, खुशी सैनी, किशन दास, बलवीर सिंह को 1100, 1100 रुपए के चैक तथा ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में रैंक 6 से 15 तक के प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान की गई। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी दिए गए। समारोह में चेतना एंड ग्रुप की ओर से एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। पुरातन विद्यार्थियों ने आदर्श में बिताए अपने विद्यार्थी जीवन की बातें साझा करते हुए बताया कि आदर्श में मिले श्रेष्ठ संस्कार, प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण व गुरुजनों की ओर से मिली गुणवतापूर्ण शिक्षा ही हमारी सफलता की यात्रा का मुख्य आधार रहा है। उन्होंने बताया कि आदर्श केवल स्कूल नहीं बल्कि सरदारशहर को शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी ले जाने का महा अभियान है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे ओंकारमल शर्मा जिला शिक्षाधिकारी ने आदर्श की इस नवीन पहल को प्राथमिक कक्षाओं के लिए क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि आज का बच्चा कल के भारत का भविष्य निर्माता है। अतः संस्कारयुक्त शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा है। निदेशक गिरीश लाटा ने पुरस्कृत होने वाले बच्चों को शुभकामना देते हुए बताया कि आदर्श के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विभाग से ही नव सत्र से फाउंडेशन क्लासेज प्रारम्भ की जा रही है। उन्होंने बताया कि रजत जयंती वर्ष में आदर्श अनेक प्रकल्प प्रारंभ करने जा रहा है। जिससे आने वाले समय में सरदारशहर आदर्श शिक्षा हब के रूप जाना जाएगा। समाजसेवी सत्यनारायण झाझडिया, क्रिएटिव स्कूल के प्रिंसिपल शिवरतन पारीक, श्री भारतीय आदर्श विद्यापीठ के प्राचार्य राधेश्याम बढ़ाढरा, सुशील गोस्वामी, हेमलता महर्षि, आदर्श महाविद्यालय के प्राचार्य प्रमोद लाटा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आदर्श स्टॉफ सदस्यों सहित नारायण लाटा। मनोज पींचा, प्रकाश प्रजापत, संदीप शर्मा, धीरज शेखावत, रामकुमार प्रजापत, नरेंद्र कानोत, गोविंद पारीक, पार्वती हुड्डा, पवन पारीक, सुनील हरित, महेंद्र सोनी, कन्हैयालाल पारीक, संजय पारीक, आरती पारीक, कमल सेठिया, प्रदीप पुनियां सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भव्या ए व माही ने किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।